

राज

कॉमिक्स
विशेषांक

मूल्य 50/- संख्या 2490

कालकहाल

नागराज









संजय श्रुतापेक्ष करते हैं

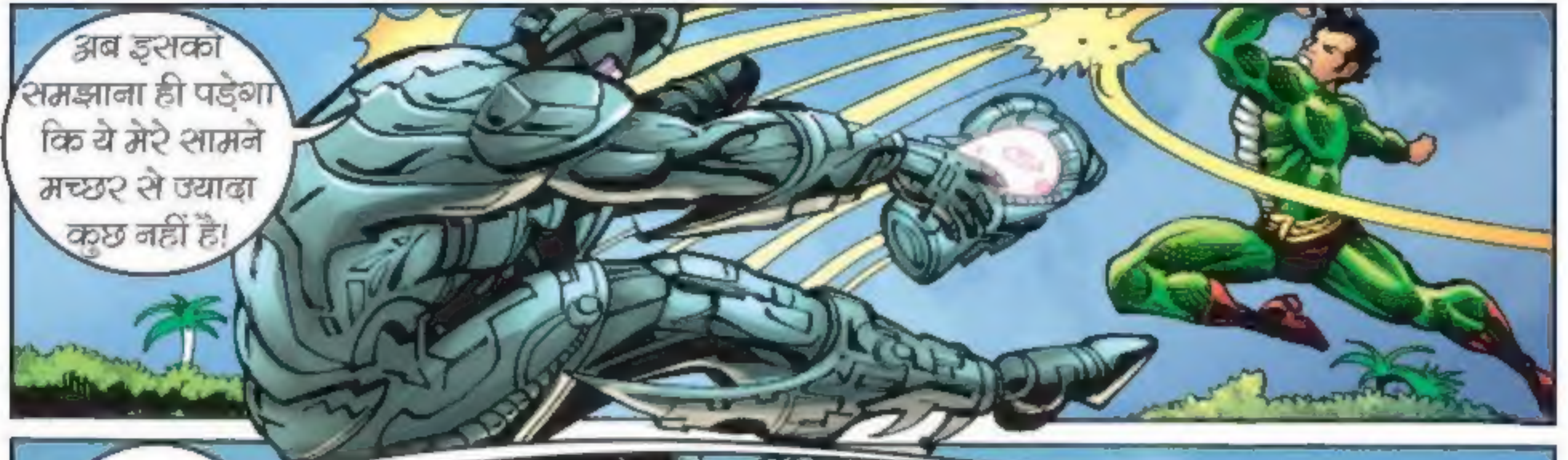
कालकाल

राज कॉमिक्स है मेरा जन्म!

www.downcomix.com

कथा: जोषी सिन्हा चित्र: अनुपम सिन्हा इफेक्ट्स: शाबाब सिद्दीकी सम्पादक: मनीष श्रुता





अब इसको समझाना ही पड़ेगा कि ये मेरे सामने मच्छर से ज्यादा कुछ नहीं है!



अब शायद तुम्हारी अक्ल ठिकाने पर आ गई होगी। अब बताओ, तुम कौन हो और 'मीटियोर सेंटर' पर तुमने हमला क्यों किया?

मैं बताऊंगा तो भी तुम समझ नहीं पाओगे। वैसे तो मुझे तुम्हारे यहां से किसी ऐसे प्रतिरोध की उम्मीद नहीं थी।



इसीलिए मैं किसी तैयारी के साथ नहीं आया था! पर तूने मुझे मजबूर कर दिया है...

...कि ये असली हैं भी या नहीं।

असली हैं। सिर्फ 'पिंक डायमंड्स' में ही इतनी ऊर्जा हो सकती है।...

...कि मैं तुझे अपने रास्ते से और इस दुनिया से दूर हटा दूँ। एक तो मेरे पास समय बिल्कुल नहीं है। और दूसरे मुझे इन पिंक डायमंड्स की टेस्टिंग भी करनी है।



...कि वह उस शस्त्र को भी धुंधला बना दे जिसमें श्रेटा बीम को भी सहने की ताकत हो!



ये... ये क्या है! पिंग एनर्जी का साइड इफेक्ट?



समझ में नहीं आया! ये धुंधला बन कर भी जिंदा कैसे है?



इसकी शक्तियों को पहले समझना होगा! मैं घायल होने का खतरा मोल नहीं ले सकता!

मुझे हीरे लेने वापस आना होगा।



क्योंकि अगर मैं घायल हो गया, तो 'उसका' मुकाबला कभी नहीं कर पाऊंगा।





कमाल है! असंभव!
मैं नहीं मानता कि ऐसा
हो भी सकता है!!

देख! ये यंत्र मैंने
नागराज का संकेत पाने
के लिए बनाया था।

अगर नागराज हमारे
पास आ रहा होता तो ये संकेतक
अपनी सामान्य स्थिति 10 से 11
पर सरक जाता। पर अभी ये
9 पर है।

क्या हुआ?
भतीजा हमारी
तरफ आ रहा
है क्या?

आपने तो डरा ही दिया
था! यानी आपको किसी ऐसे के
संकेत मिल रहे हैं जिसकी पॉवर
नागराज से भी कम है। तो डरना
क्या? आने दो निपट लेंगे।

तुझे तो... खैर छोड़
हर बार तुझे समझा कर
मेरा सिर तो खाली हो जाता
है, पर तेरा भरता नहीं है!

क्या समझाया है, गुरुदेव!
मेरा तो सारा डर ही धूमंतर हो
गया!! अब तो चाहे जान चली जाए,
मैं उस शक्ति-श्रोत को आपके
पास लाकर ही रहूंगा!

नागराज को दिमाग
से निकाल, और सोच कि अगर
वह शक्ति का श्रोत हमारे पास आ
गया तो उस ऊर्जा को हम कितना
विनाशकारी बना सकते हैं।

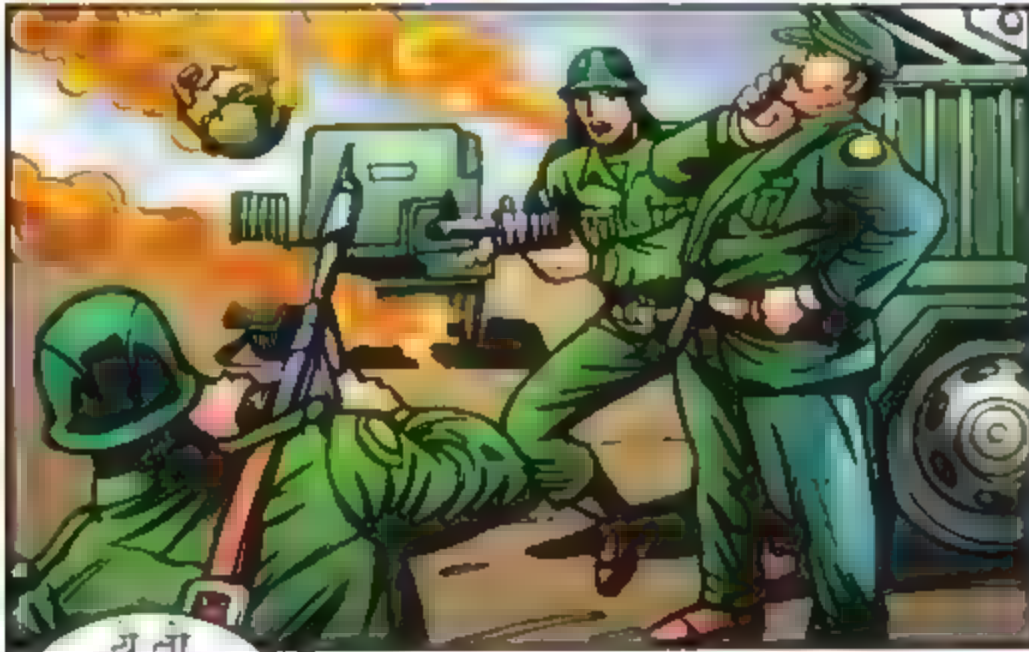
ये पीछे नहीं खिसका
है, मूर्ख! बल्कि पूरा चक्कर
धूमकर यहां आया है। यानी ये जिस
शक्ति-श्रोत को पकड़ रहा है, वह
नागराज से हजारों लाखों गुना
अधिक शक्तिशाली है।

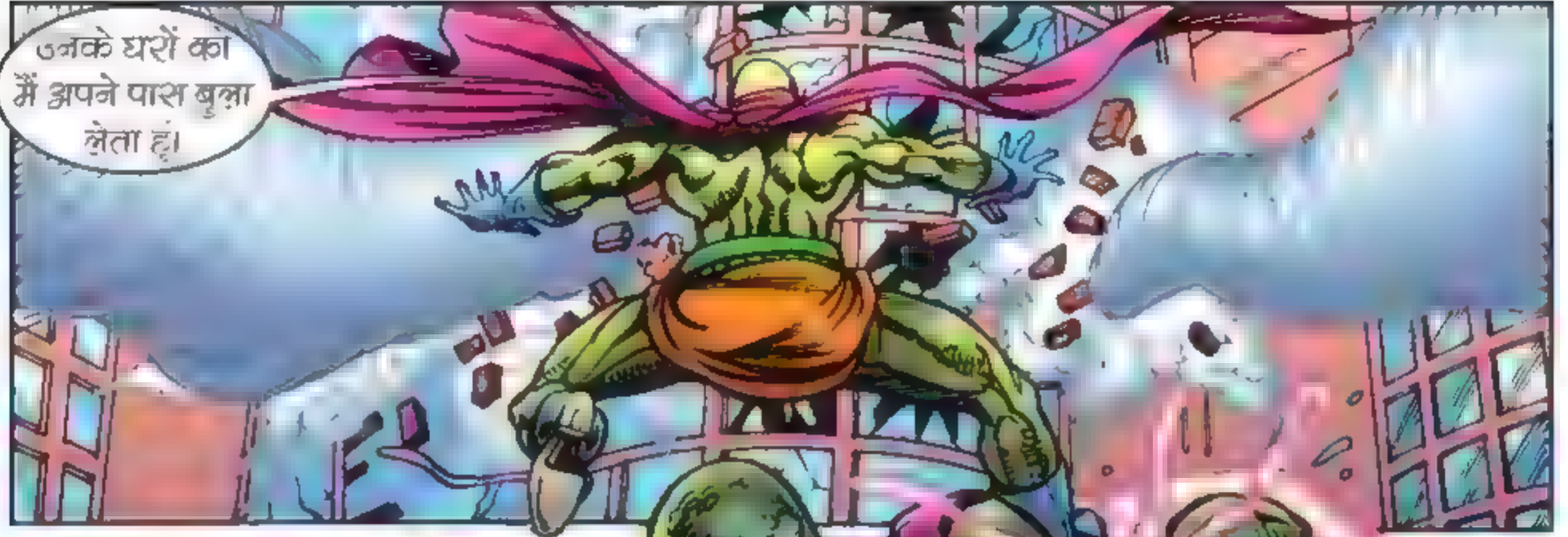
हजारों लाखों
नागराज!! आप मुझे
फिर से डरा रहे हैं
गुरुदेव!

पूरे ग्रह को
एक बार से फाड़
सकते हैं। फिर नागराज
क्या चीज है!!

यही तो दिक्कत
है। तेरी जान तो जा ही
नहीं सकती, अमर
नागपाशा।







उनके घरों को
मैं अपने पास बुला
लेता हूँ।

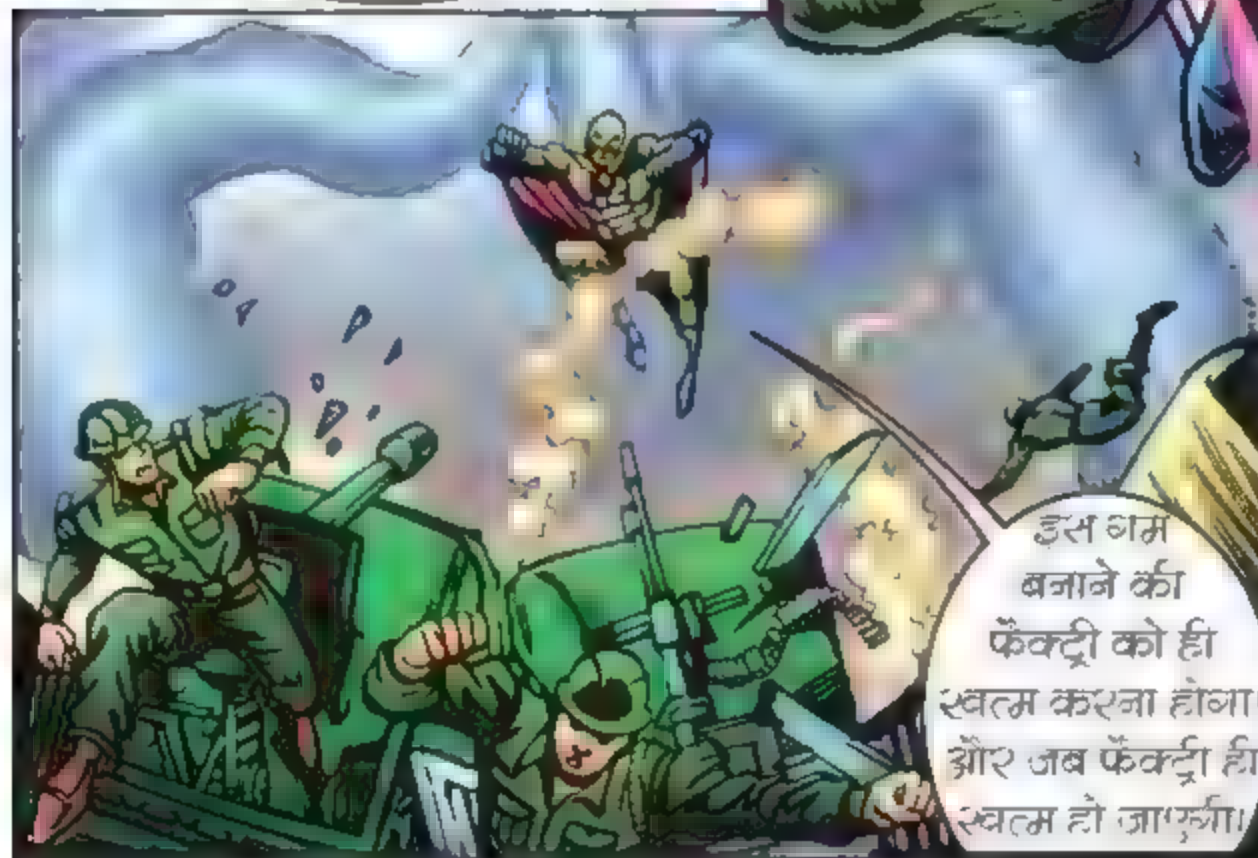


इस अजूबे का
हम काट नहीं सकते।
पर कैंद तो कर ही
सकते हैं।

हिट हिम विद
बम-बम! जो हमने ऐसे
टैंकों को स्वतंत्र करने के लिए
ईजाद की है जिनको लोडना
मशकल है।



आफ़! ये तो
मुझे ही बम बनाने की
फिराक में हैं।



इस बम
बनाने की
फैक्ट्री को ही
स्वतंत्र करना होगा।
और जब फैक्ट्री ही
स्वतंत्र हो जाएगी।



तो फिर
कामगारों का भला
क्या काम?



नागपाशा अपने आप आया है या उसी शस्त्र ने नागपाशा को भोजा है। ऐसा लगता तो नहीं है।

क्योंकि एक तो नागपाशा किसी की आधीनता स्वीकार नहीं करेगा! और वैसे भी वह तो मेरी शक्तियों के बारे में उसको ऐसे ही बता सकता है।



हा! ये कैसी 'रे' है? इसने तो आरी को रोक दिया!! किसने दाबी है ये चमत्कारी रे?

मैंने! ये 'स्पेशल' रेज...अ...रेजगारी बन हमने ऐसे ही मौकों के लिए, ईजाद की है।

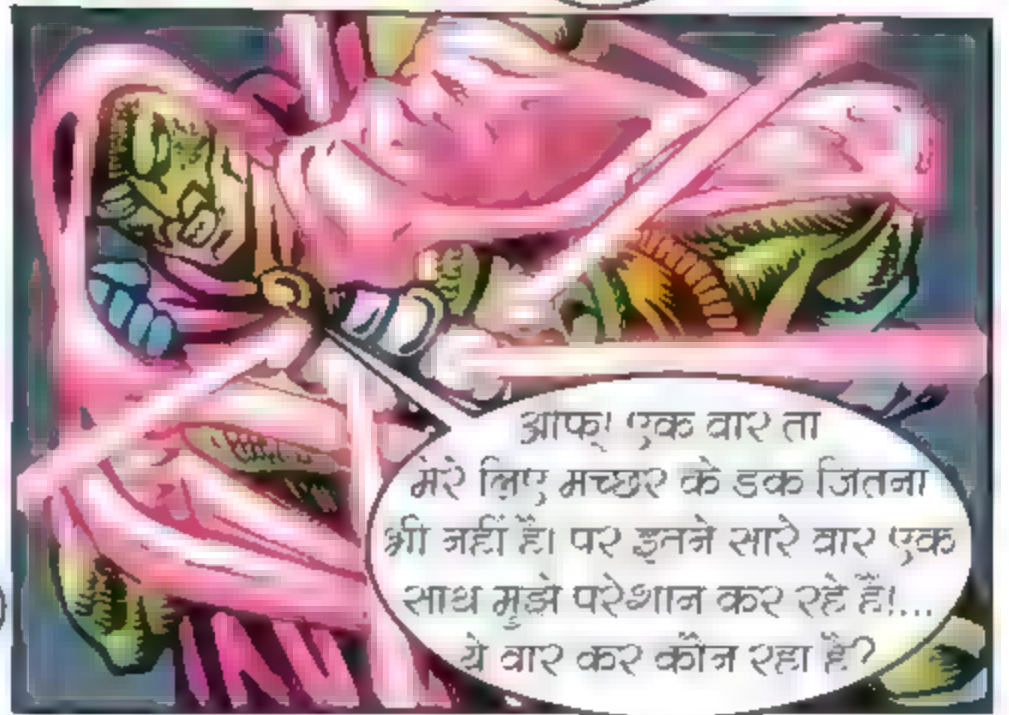


'रेजगारी' बन! ये क्या नाम हुआ?

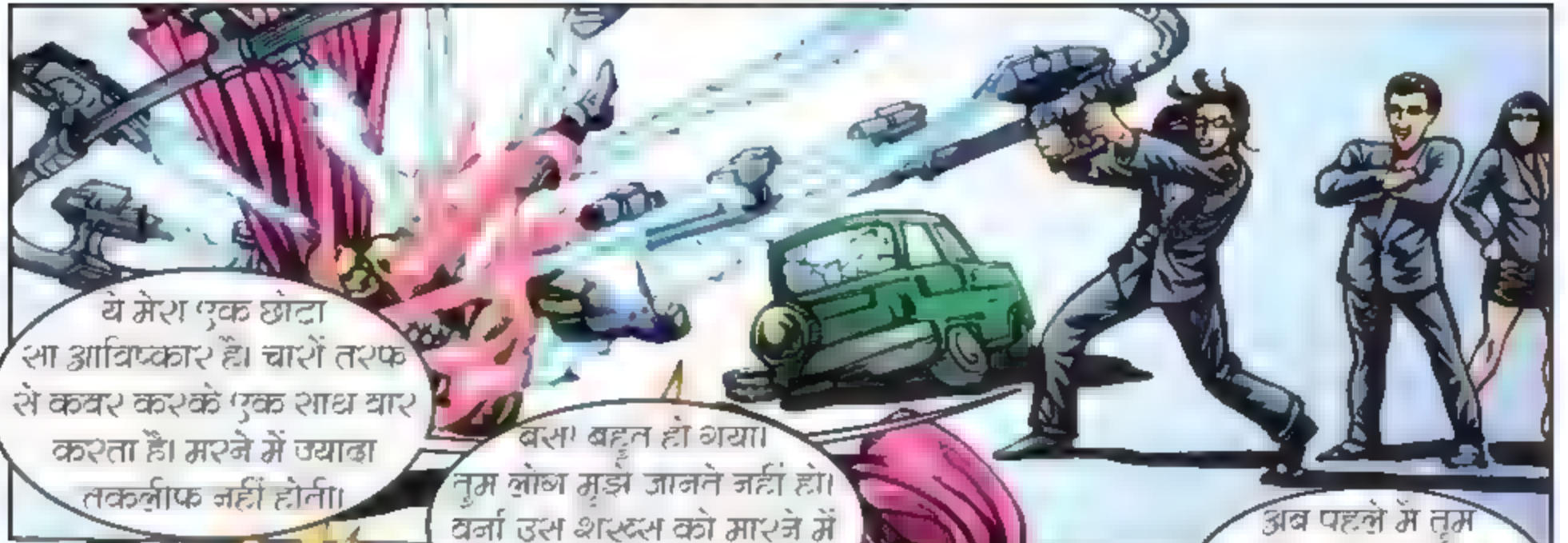
अब इन्हें क्या बताऊ कि वार तो मैंने तार्किक किरणों का किया है। ये बन तो सिर्फ दिस्वावे के लिए है।



मरे ये चक्र उल्टा घूमकर मेरे ही चक्रवात को काट रहे हैं। ये .. ये मामूली हथियार ऐसा कैसे कर सकता है।



आफ! एक बार तो मेरे लिए मच्छर के डक जितना भी नहीं है। पर इतने सारे बार एक साथ मुझे परेशान कर रहे हैं!... ये बार कर कौन रहा है?



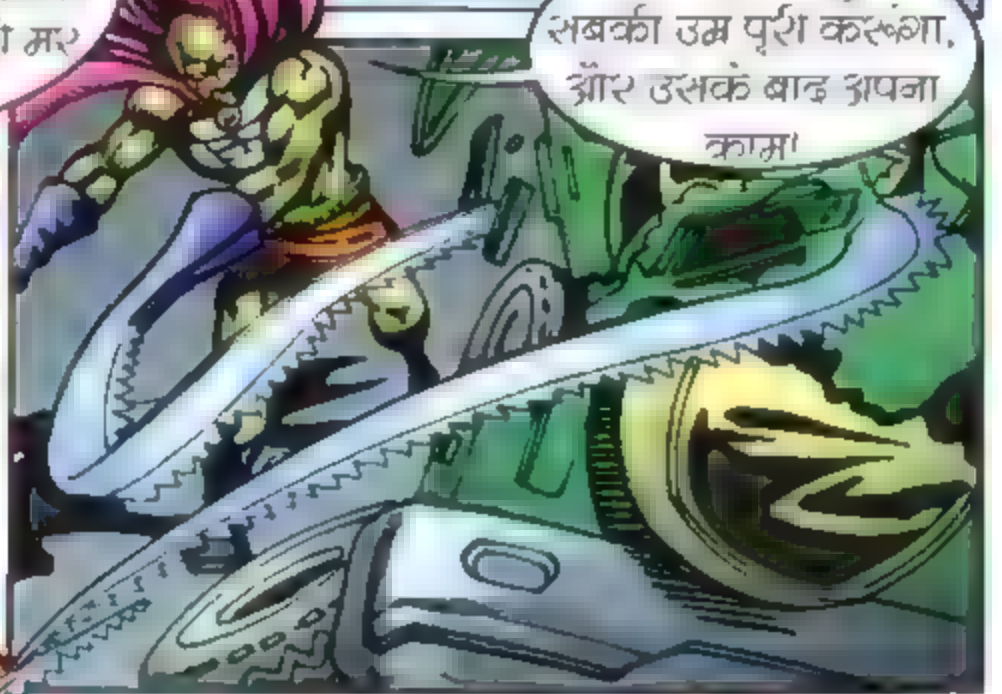
ये मेरा एक छोटा सा आविष्कार है। चारों तरफ से कवर करके एक राध बार करता है। मरने में ज्यादा तकलीफ नहीं होती।

बस! बहुत ही गया। तुम लोग मूर्ख जानते नहीं हो। वना उस शस्त्र को मारने में समय बर्बाद न करते जो मर ही नहीं सकता।

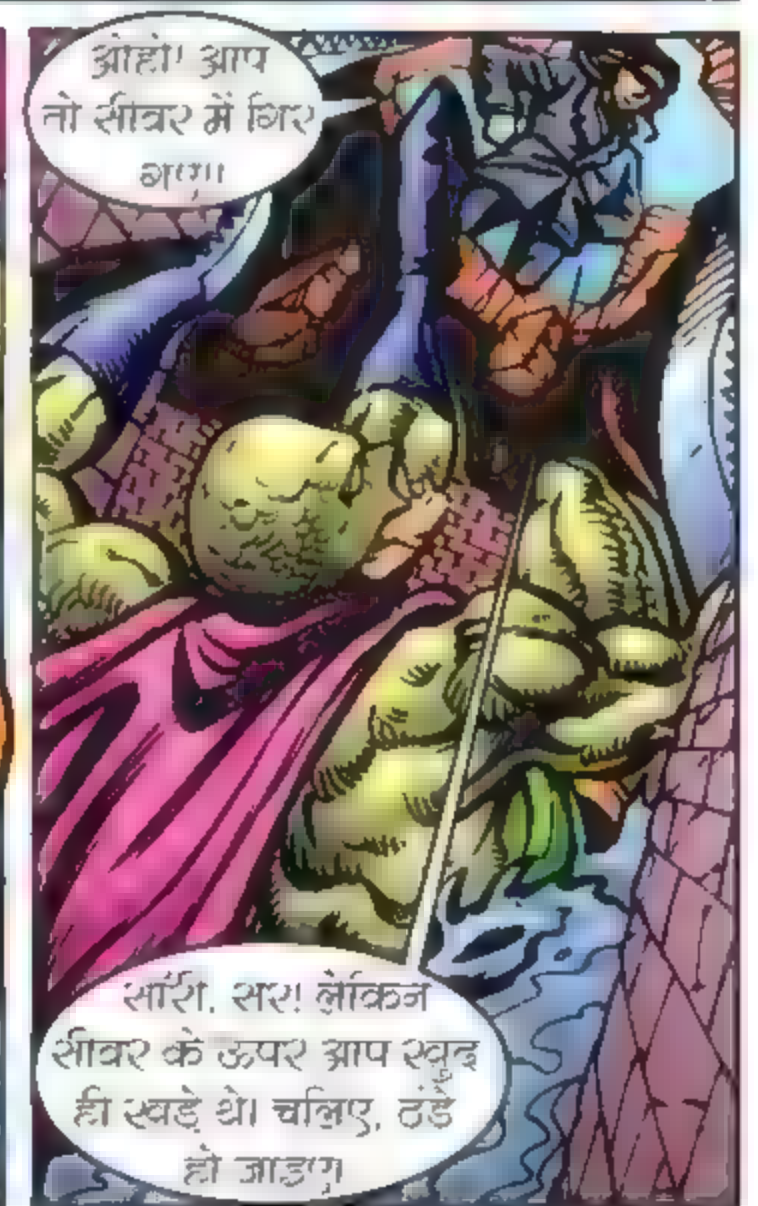
अब पहले मैं तुम सबकी उम्र पूरा करूँगा, और उसके बाद अपना काम।



सच है। ऐसा लोग तो बड़बुआ देने से भी नहीं मरने।

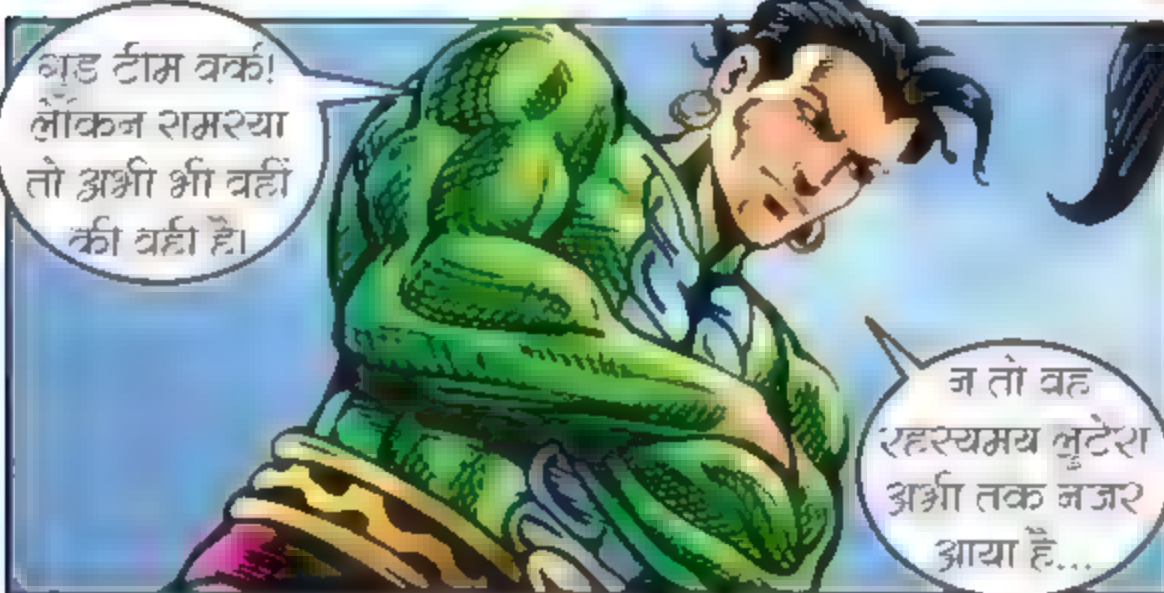
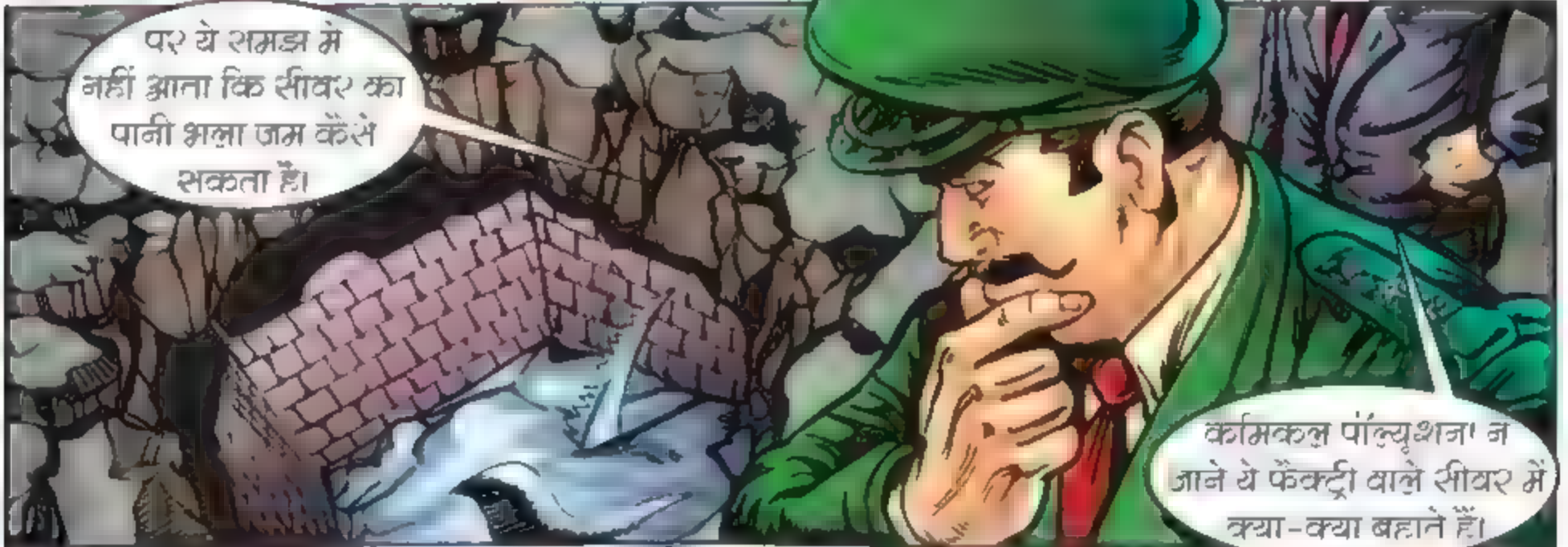
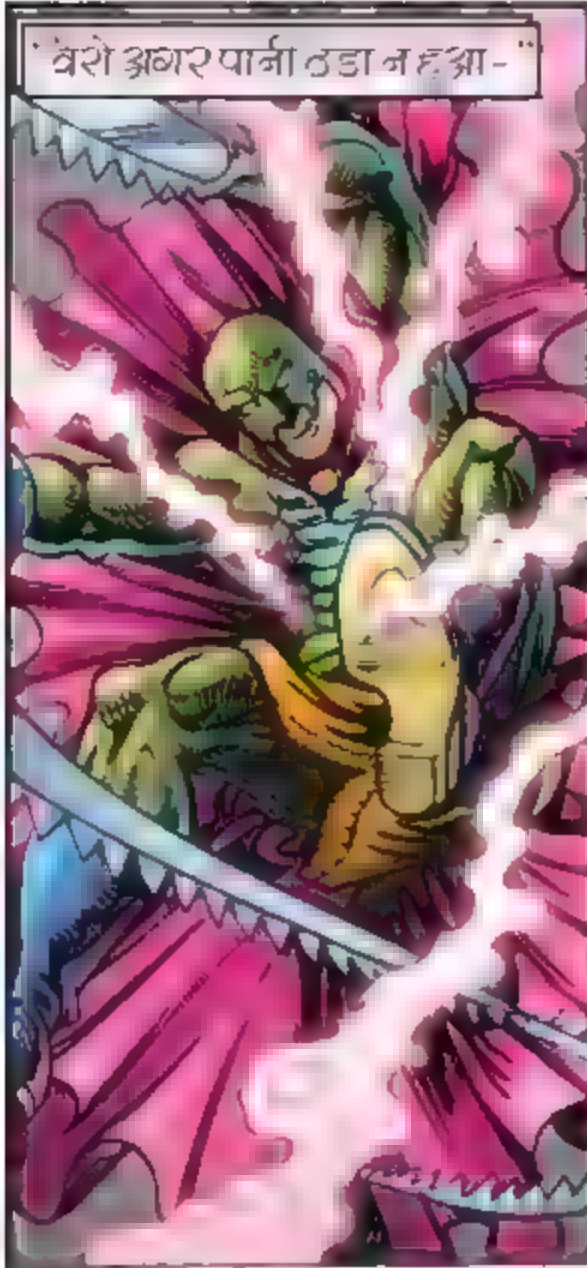


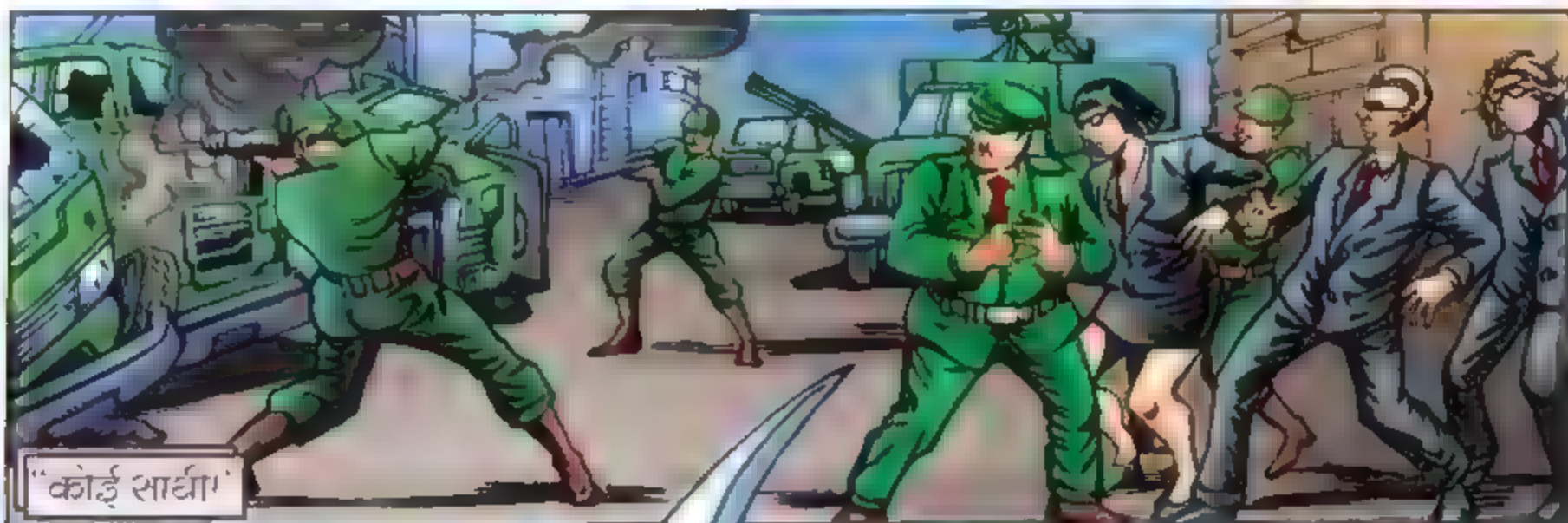
ये तो भड़क गया! अब क्या करें? बर्फ मिला पानी दें या फिर पानी मिला बर्फ। ठीक है। पहले जल का इंतजाम करो। मैं बर्फ मंगवाती हूँ।

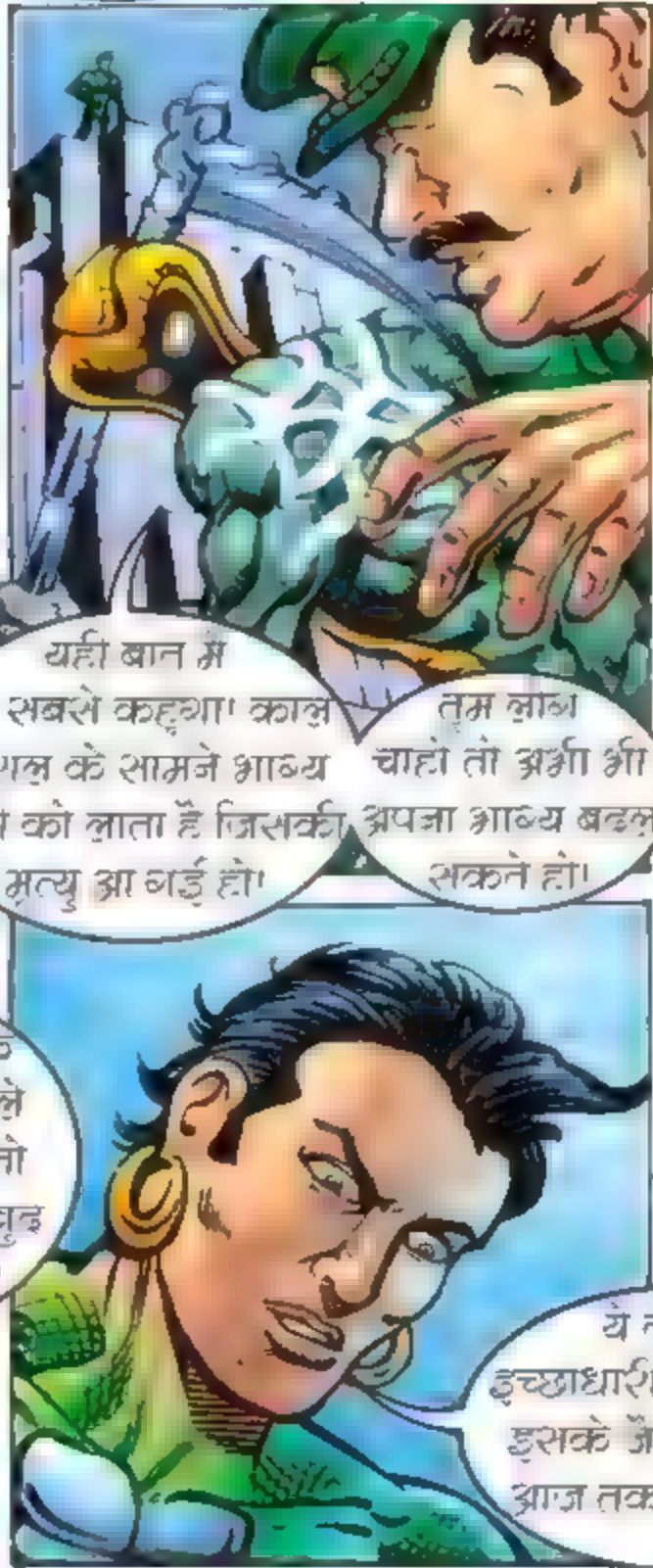
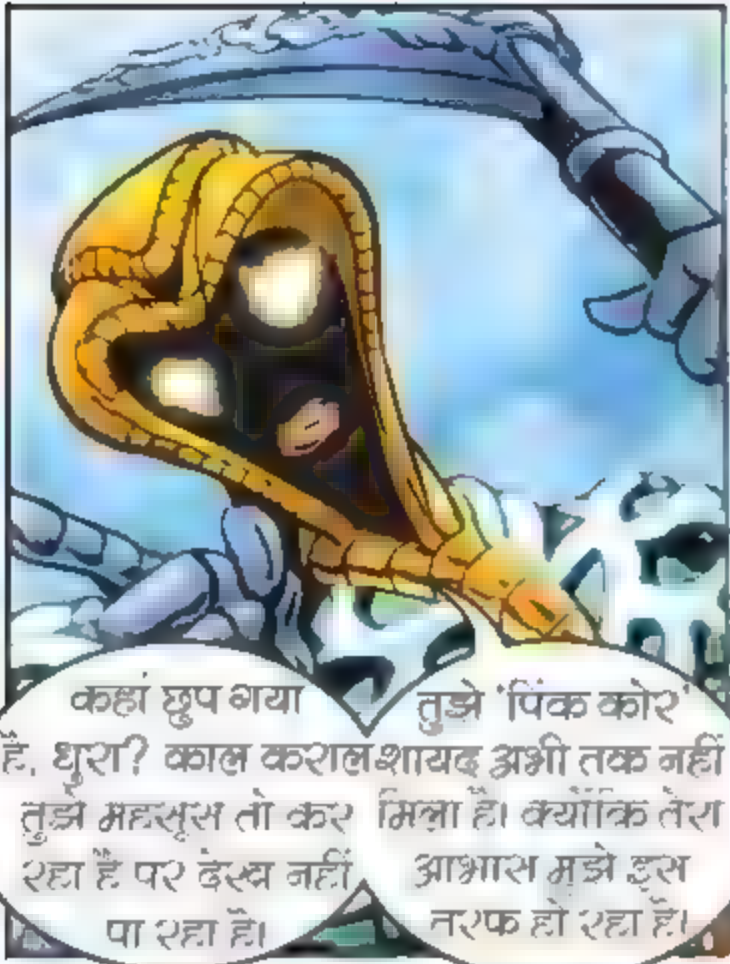


ओहो! आप तो सीवर में गिर गए।

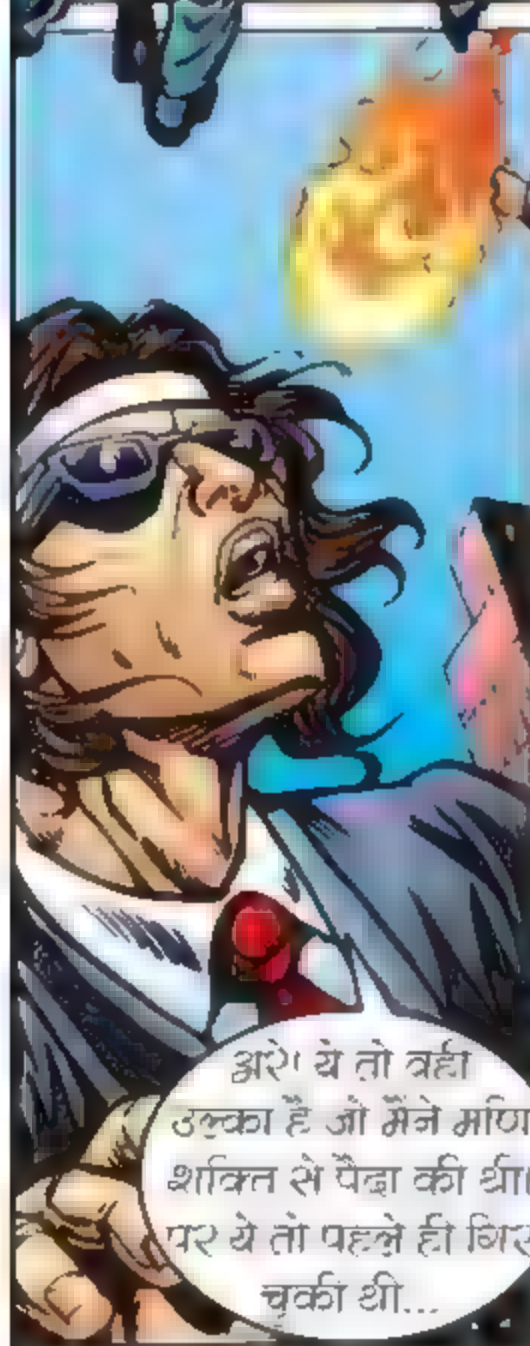
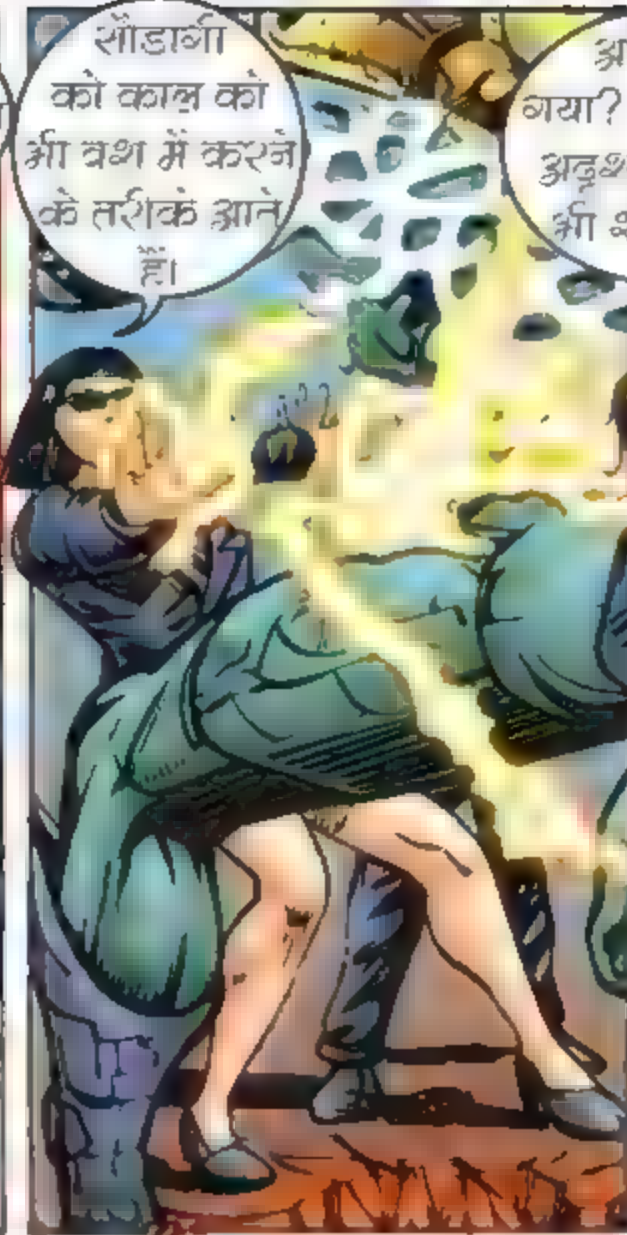
सारी, सर! लेकिन सीवर के ऊपर आप खुद ही खड़े थे। चलिए, ठंडे हो जाइए।













"जैसे कि इसने समय की धारा बदल दी है।"

बहुत भाव्यशाली हो
तुम सब! मृत्यु तुमको छुकर
निकल गई। परंतु इसको
संकेत समझना।



...कि मृत्यु
तुम्हारे...

आस पास ही
मडरा रही है..

अगर तुम मौत
हो तो मैं मौत को
कधो पर ढांजे वाला
यमदूत हूँ.. कौन हो
तुम सब?

बुलाबी हीरों के
आते ही अचानक कहा
से प्रभट होने लगे हो?

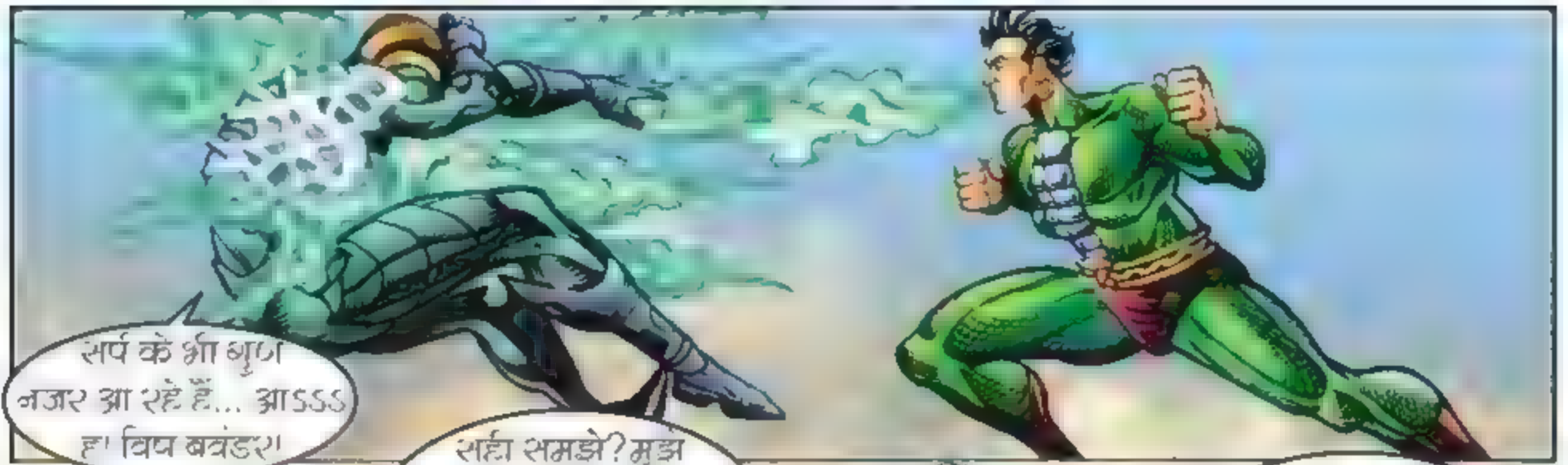


कौन है तू?
मौत की आखों में
आखें डालने से नहीं
हिचक रहा है।

तुम मेरे
कहने से पहले
ही समझ गए।

सच बोलो तो मदद
चाओगे। छल करोगे तो नागराज
के हाथो यमबोक जाओगे।





सर्प के आँधुप
नजर आ रहे हैं... आऽऽऽ
ह! विष बवंडर!



सही समझे? मुझ
नहीं पता कि तुम कहाँ से
आए हो। और तुम्हारे बैग
वाले क्या चाहते हैं..

पर मैं इतना जरूर
अंदाजा लगा सकता हूँ कि
तुम किसी अज्ञान स्थान
से आए हो।



इसीलिए मैं तुमको
वापस जाने का एक
मौका देता हूँ।

अरे! ये
कहाँ गया?



अरे! ये घाव
का निशान फिर
से कैसे उभर
रहा है।

फिर से नहीं,
नाबराज!



ये वही घाव है... अब न तो ये भरेगा और न ही ये नए घाव! क्योंकि अब घाव के छेदों को भरने की जगह ही नहीं दूंगा मैं।

य... ये तुमने कैसे किया?

आर ये नाबपाशा भी न जाने कहाँ जाकर...

...मर गया! मर गया? असंभव!!

मरा नहीं है। विचलित है। उस सीवर में भारी गंधों के मिश्रण को सूँघकर मैं भी विचलित हो गया था। इस युग में वाकई प्रदूषण चरम पर है।

पहले नाबपाशा को अपने नावों से पिटवा कर अन्न कर दिया और अब खुद पिट गया।

इतना ही समझ ले कि सिर्फ काल ही समय से परे होता है।

"आर वही से वापस भौट जाऊंगा!"

य सब हो क्या रहा है। ये नाबराज तो न खुद स्वाना है और न स्वाने देता है।

अब मैं पिक डायमंड्स लेने जा रहा हूँ।



पर...तुम
कौन हो? और
नाबपाशा को लेकर
यहा क्यों आए हो?
इसको तुम्हारी
मदद की..

...जरूरत नहीं थी।
क्योंकि इसको कोई मार
नहीं सकता! ये सब ये
मझे बना चुका है।

मैं कौन
हूँ और कहा
से आया हूँ ये
वेमानी बातें
हैं।

...पर मैं क्या
आया हूँ। इसका अंदाजा
तुम लगा सकते हो।

फिर...
क्या मकसद
है तुम्हारा?

इंसान तरक्की कर
रहा है। आने वाले पचास-सौ
सालों में यह दुनिया को भी लेब
में ही बना लेगा।

उन बुलाबी
हीरो के लिए?

बिलो! पर वे हीरो नहीं हैं।
वे कंप्रेस्ड एनर्जी के पैकेट्स हैं। और
इन्में अनंत ऊर्जा है! न्यूक्लियर ऊर्जा
या सौर ऊर्जा से करोड़ों गुना ज्यादा। ये
ज तो पहले कभी था और न आने
कभी होगा।

लेब में। तुम
पचास सौ सालों की
गारंटी कर रहे हो।

अगले पांच
हजार सालों तक की
गारंटी मैं लेता हूँ कि
ऐसा नहीं होगा।

अब यह
मेरी जिंदगी का
भी कांटा बन चुका
है। उसको हटाना है।
तुम मेरी मदद करो,
मैं तुम्हारी मदद
करूँगा।

बेकार की बातें छोड़ो।
समय कम है। वह हरी
खाल वाला कौन है।

कमाल है। क्या
तुम... ज्योतिषी
हो?

नाबराज!
हमारी जिंदगी का
सबसे बड़ा कांटा।

बुलाबी
हीरो पाने के
लिए?



वै पेंकेट तुम्हारे काम के नहीं हैं। उनकी ऊर्जा को संभालना तुम लोगों के बस के बाहर की बात है।

उनमें से एक श्री पेंकेट अगर असंतुलित हुआ तो पूरी पृथ्वी को धूल बनाकर उड़ा देगा और ऐसा मैं होने नहीं दे सकता।

तुमको पता ही होगा कि सिर्फ मैं ही उन हीरों का कब्ज़ेदार नहीं हूँ।



पर मैं तुमको ऐसी शक्ति देकर जाऊंगा।

जिसके बल पर तुम इन सात सौ करोड़ मानवों पर राज कर सको।

आर हैर तुम ले जाओगे।

हां।

हमसे क्या चाहते हो तुम?



हां, पता है। कोई तुम्हारा भाई बंद भी उसके पीछे है। काल कराल!

बूढ़ा! उससे मैं निपट लूंगा। तुम बस नागराज को मुझसे दूर रखो।

अगर दूर रख सकते तो अब तक हमने उसको इस दुनिया से ही दूर न कर दिया होता?



उसको इस दुनिया से तड़ी पार करने की शक्ति तुमको मैं दूंगा।

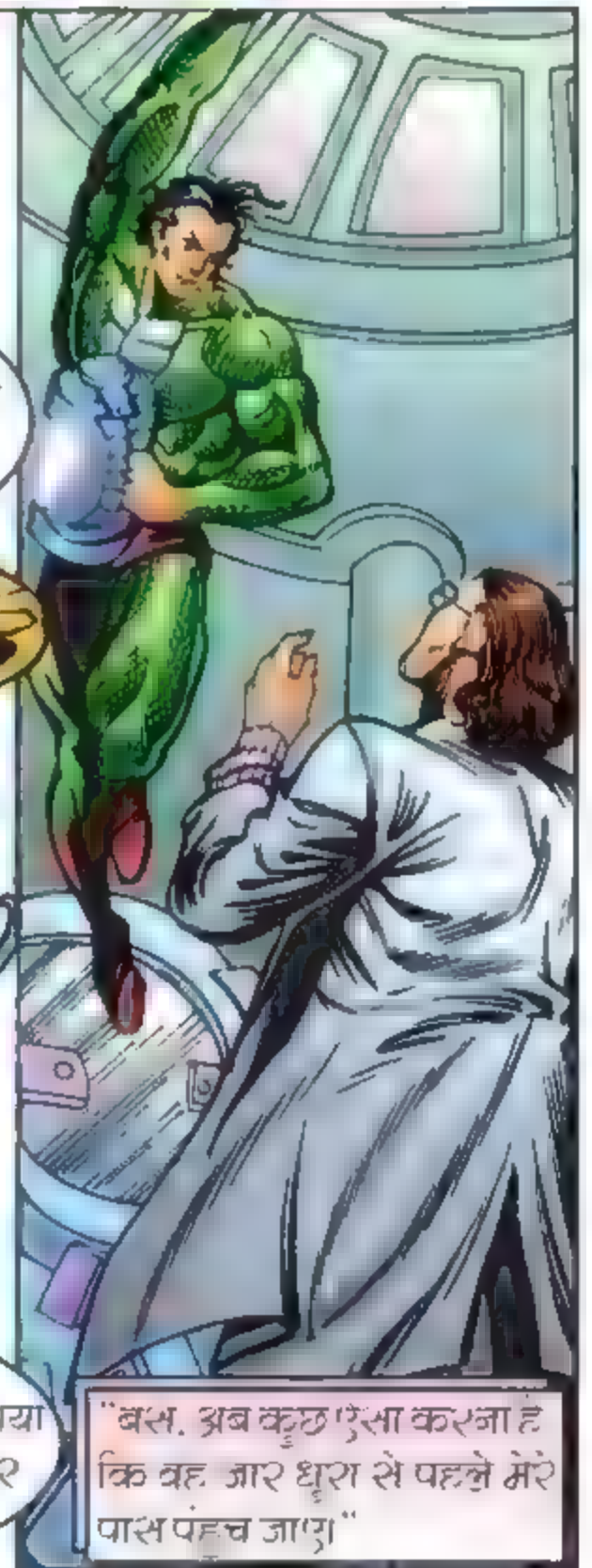
‘ताक म काल कराल से निपट सकें।’

‘बिना किसी व्यवधान के।’

अब मैं समझ गया कि मुझे जल्दी से जल्दी पिंग कोर को हासिल कैसे करना है।



उस नागराज से मिलते ही मुझे पता चल गया था कि वह ही पिंग कोर को यहां लाया है।



“बस, अब कृपया ऐसा करना है कि वह जार धारा से पहले मेरे पास पहुंच जाए।”







तू... मेरी ही ऊर्जा का वार मझ पर कैसे कर पा रहा है? तुझको आम जाति या इंसान समझना मेरी भूल होनी।



ओफ़! ये वायु सर्प तो मेरी हड्डियों को चूर चूर कर देगा और मुझमें इतनी शारीरिक शक्ति नहीं है कि मैं इनकी कुदली खोल सकूँ।



ओफ़! ये... ये... जार को स्वाच कर ही छोड़ेगा!.. और मैं इसको पुरसा करने से...



रोक नहीं पा रहा।



ये... ये क्या हो रहा है? ये पिंग-डायमंड्स तो और बड़े हो रहे हैं।



आर-आर मेरे शरीर में समा रहे हैं।



ये... ये सच नहीं हो सकता! किसी इंसान में ऐसी शक्ति नहीं हो सकती।

ओफ! मुझे अपने शरीर में शीघ्र शक्ति का आभास हो रहा है जैसे मैं सूर्य को पी सकता हूँ।

ब्रह्म को तोड़ सकता हूँ। मैं दूसरा नया ब्रह्मांड बना सकता हूँ।

ये... तुमने किया नागराज या ये अपने आप हो रहा है?

काल कराल से मुकाबला करने के लिए तैयार हूँ।

ये ये क्या हो गया? ये तो बाजी ही पलट गई। मुझे समय धारा में वापस जाना होगा।

पता नहीं, सौडार्नी। पर अब मैं..

तुम्हारी आंखें नागराज? इनको क्या हुआ है?

इनको मोन का रास्ता नजर आ रहा है।

और उस रास्ते पर काल कराल खड़ा है।



अब
तुमको मौत
तक भोजना या
मौत को तुम तक
आने से रोकना
काल कराल के
हाथ में है।

ये क्या
हो रहा है। काल
कराल तो खाली
जार लेकर आया
है। और नागराज
भी आजाद हो
गया।



उसकी
आंखें तो खुद
दीरों जैसी चमक
रही हैं।

पता नहीं क्या
हुआ है। लेकिन कुछ
तो गड़बड़ जरूर है।
सिर्फ इतना स्पष्ट हो
पा रहा है कि पिक
एनर्जी नागराज में
समा गई है।

और ये
असंभव है। किसी
इंसान के एक शरीर
में इतनी क्षमता नहीं
हो सकती।

नागराज
सिर्फ दिखने में
एक इंसान
है।



वैसे नागराज
के अंदर असंख्य सर्प रहते
हैं। वास्तव में उस एक शरीर
के अंदर अनगिनत शरीर
समाए हुए हैं।

इसको अकेला समझन
की भूल मत करना। तुम अगर
सर्प होते तो तुम्हारे जैसे एक-डेढ़
लाख तो आसानी से इसके
बदन में समा जाते।



तब तो मुझ
लगता है कि काल कराल
विफल रहेगा! अगली चाल
हमको ही चलनी
होगी।



"बस इतना उम्मीद करो कि अब नागराज काल कराल को हमारे शस्त्रों से हटा दे।"

य ठीक है। यहाँ पर हमारे युद्ध के लिए काफी जगह है।



और नतीजा निकलने तक कोई व्यवधान डालने वाला भी नहीं है।



सही कहा! अब यहाँ से पृथ्वी पर हम दोनों में से कोई एक ही जा रहा। और वह तुम नहीं... अरे! ये-ये क्या? ये असंभव है!



पृथ्वी को एकाएक क्या हुआ? ये तो जैसे अपने प्रागैतिहासिक रूप में पहुँच गई है।

ये सब जरूर तुम्हारा ही किया धरा है। क्या किया है तुमने पृथ्वी के साथ?



बल्लत सवाल! ये पूछो कि क्यों किया है।

पाँछे मूढ़कर देख लो! पूछने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।



ये-ये..?

ये ये उल्लास ह
जिनहोंने पृथ्वी के सीने में
छेद करके महासागरों
को जन्म दिया।

आइए अब मैं
समझा तुम्हारी मुख्य
शक्ति को।

तुम इच्छाधारी
काल सर्प हो। तुममें समय
धारा में जा सकने की
श्री क्षमता है।

सही समझो! मैं
अपने सामने वाली वस्तु को
उसके भूतकाल में ले जा सकता
हूँ और स्वयं श्री उसके पीछे
वहाँ तक जा सकता हूँ।

अफसोस तुम पृथ्वी
के भूतकाल में हो। जहाँ पर उल्लास तुमसे टकराएगी और
आकर तुम स्वयं ही एक
भूत बनने वाले हो।

अब ये इस मील चौड़ा
तुम इसके बैस के बादलों में
घुलकर रह जाओगे।

बलत, काल कराल!
मैं तो तुम्हारी समझ गया,
पर तुम मेरी शक्तियों को
नहीं समझो।

मेरे अंदर
इच्छाधारी नाबों
को अपने शरीर
में समा लेने की
शक्ति है।



तुम पृथ्वी के
शैशव काल को देख
रहे हो, नागराज।



आर अपने मृत्युकाल
को। जिन उल्लासों से
पृथ्वी का सीना नहीं
बच पाया।





जैसे तेरी
समय धारा में
जा सकने की
शक्ति।

और अब उसी
शक्ति के माध्यम से
मैं तुझे अपने साथ अपने
वर्तमान में ले जाऊंगा।
ओफफफ।

और उनकी
शक्तियों को समा
लेने की भी।

ये सही है कि
मेरे अंदर समय
धारा में जा सकने
की इच्छाधारी
शक्ति है।

तु भी एक इच्छाधारी
नाथ है, और तेरी शक्तियां
इतनी प्रचंड हैं कि वे अपने आप
तरंगों के रूप में मेरे शरीर
तक पहुंच रही हैं।

मैं उसी
शक्ति के माध्यम
से अपने भूत स्वरूप
से संपर्क बनाने में
सफल हो पाया और
तेरी योजना ध्वस्त
हो गई।

पर वह मेरे
सामने वाली वस्तु पर
निर्भर करती है।

और मैं अब तक उन
शक्तियों को अपने अंदर
समाकर अंजाने में ही उनका
प्रयोग कर रहा था।

मैं अपने
सामने मौजूद
अधिकतर वस्तुओं
के भूतकाल में जाकर
उनके द्वारा किए गए
कार्य को बदलने
पर मजबूर कर
सकता हूँ।

पर ये मेरी एकमात्र
शक्ति नहीं है। और ये भी जान
ले कि मेरी शक्तियों को ग्रहण कर
लेने के कारण ही तु 'पिंक एनर्जी'
को अपने शरीर में सोखने में
सफल हो पाया था।

पर ऐसा करके तु
सिर्फ अपने आपको ही नहीं,
पूरी पृथ्वी के वर्तमान और भविष्य
को भी नष्ट होने के कगार पर
पहंचा दिया था।



"वह एक छोटा 'पोर्टबल कार' था और वह एक बड़ा स्क्वैर था। उसने उसकी टेस्टिंग के लिए एक 'पिंक एनर्जी क्रिस्टल' की मांग की और वह उसको दे दिया गया।"

परन्तु ये जानन में हमका डर नहीं लगी कि ये पूरा प्रपंच एक बड़ा फ्रॉड था। वह 'पिंक कोर' दरअसल में एक विनाशक एनर्जी रिपुक्टर था।

"तुम्हारे आज के युद्ध की आग्रा में तो वह एक विशालकाय हाइड्रोजन बम था, जिसका धमाका एक पूरे बड़े देश को समतल कर सकता था।"

बार बार मुझ धोखेबाज कहने से आपकी समस्या तो हल होगी नहीं, मिस्टर यू.एन. प्रेसिडेंट सर।

मूढ़ों की बात ये है कि आपको उन देशों से अपनी सेनाएं वापस बुलानी पड़ेंगी, जिनकी लिस्ट हमने आपको दी है।

व तीनों देश आनंदादियों को पनाह देते हैं। अगर हमने संयुक्त राष्ट्र की सेनाएं वापस बुलाई तो...

ज्यादा नहीं है न। थैंक गॉड। इतना पैसा मुझे मेरे रिक्स एकाउंट में हर महीने चाहिए।

एक घंटे का टाईम है तुम्हारे पास। चलो बाय।

बलन सवाल, अध्यक्ष जी! आपको पृष्ठना चाहिए कि सेनाएं वापस न बुलाई तो क्या होगा।

आधा यूरोप तबाह हो जाएगा। 'पिंक कोर बम' डेटोनेट करना पड़ेगा मझे।

क्या होगा?

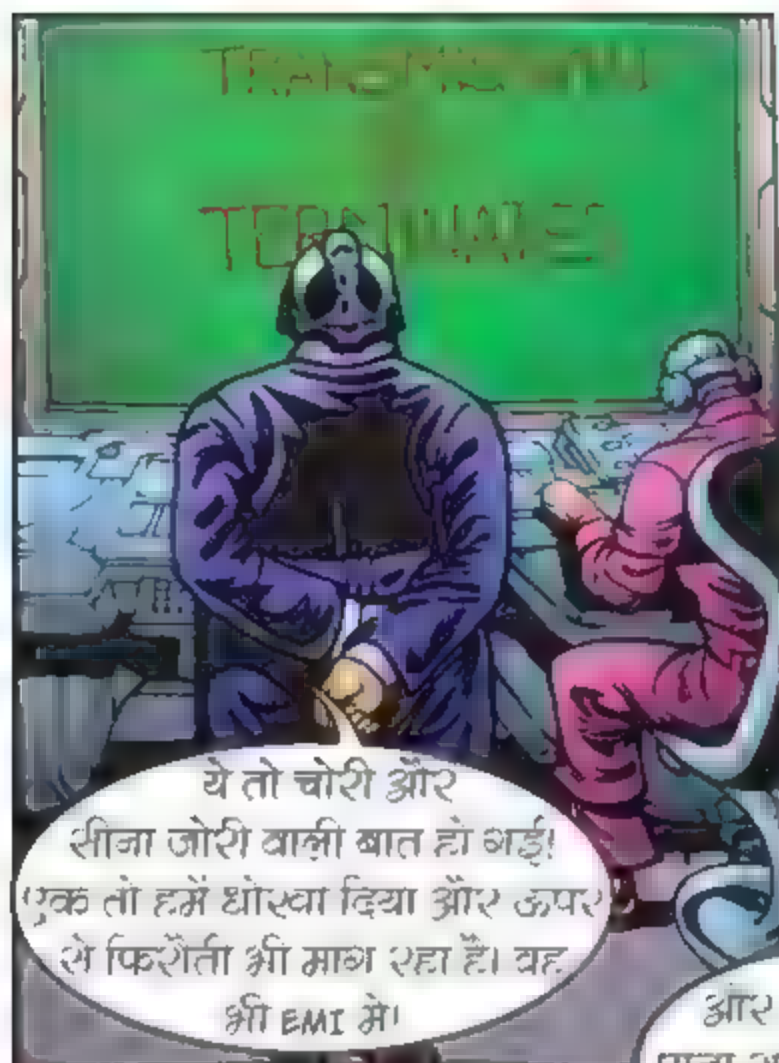
यूरोप में ही कहीं छुपाया है मझे उसको! और वह कहाँ है इसका पता तुम करी नहीं चला सकते।

ठाक है। पर... सेनाएं धीरे धीरे ही वापस जा पाएंगी।

हा हा। इतना सिस्टम तो मैं भी समझता हूँ। और हाँ। इससे पहले कि मैं भूल जाऊँ...

मझे थोड़ा अ... पॉकेट स्क्वैर भी चाहिए कुछ.. दो हजार मिलियन डॉलर।

दो हजार मिलियन! ये तो...



ये तो चोरी और
सीना जोरी वाली बात हो गई!
एक तो हमें धोखा दिया और ऊपर
से फिरौती भी मांग रहा है। वह
भी EMI में।



पर मानन
के अलावा और कोई
चार भी तो नहीं है।

चार तो हम
चाहिए भी नहीं। उसे धरा
जैसे बकरों के स्थान के लिए
ही छोड़ देना चाहिए।

ताक उनका
हलाल करने में कुछ
मजा भी तो आए।

अब उस पाबल न
सचमुच बम फोड़ दिया तो
हलाल यूरोप होगा।

और उस बम को दूध
पाना समुद्र में रेत के कण
ढूँढ़ने के बराबर है।



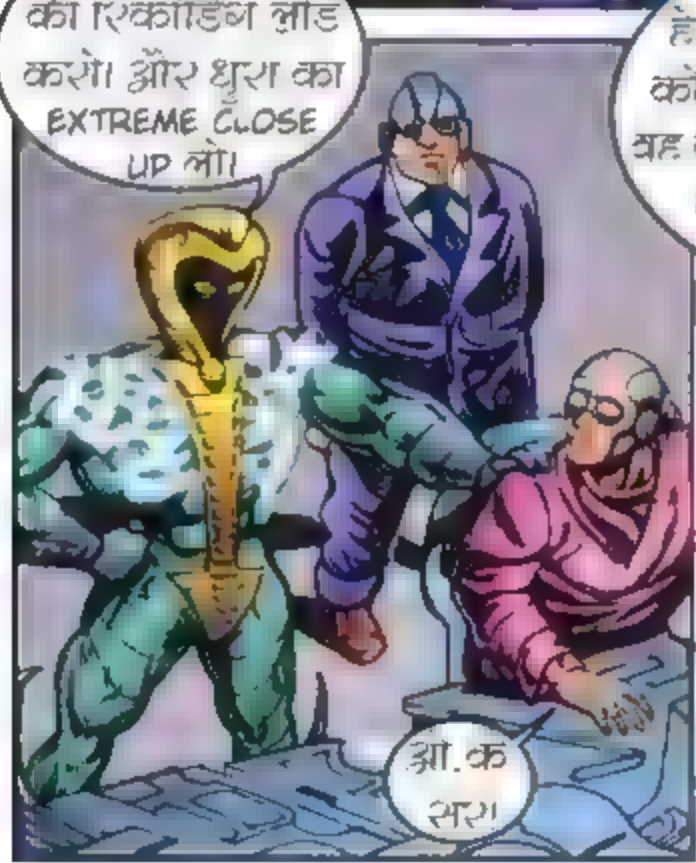
और उस रेत
के कण ने 'आ जाओ'
का बोर्ड लगा रखा
हो तो?

क्या
मतलब?

इस मस ज
की रिकॉर्डिंग लोड
करो। और धरा का
EXTREME CLOSE
UP लो।

ये देखिए, उसक
हेलमेट में रिफ्लेक्शन। पिंक
कोर बम अभी उसी के पास है।
वह बीइड अभीकी दे रहा है। अभी
तक वह ये बम कहीं फिट
नहीं कर पाया है।

पर करेगा जरूर।
और मैं उसको इससे पहले
ही पकड़ लूंगा।



आ.क
सरा।



"बम धूरा के पास है यह तो तुमका पता है, काल कराल, पर धूरा कहा है यह कैसे पता करोगे?"

"मृत्युदूत धास के मंदिर में स्वाया तिनका तक दूढ़ सकता है, अध्यक्ष जी।"



काल कराल का चमचा मृत्युदूत मुझे जरूर दूढ़ निकालेगा।

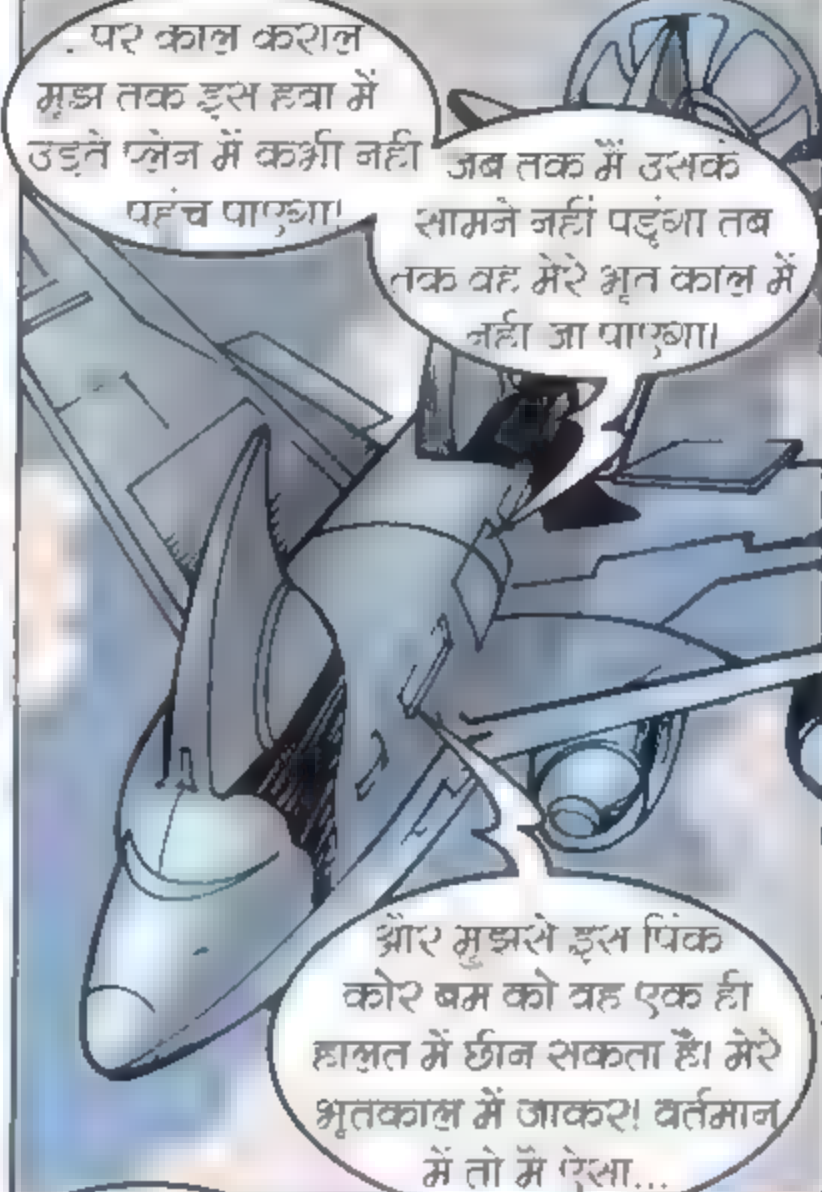
काल काल कराल! तुम यहां कैसे?



तु जब धमकी दे रहा था तो हल्का सा लड़खड़ाया था नहीं मैं समझ गया था कि तु हिलनी जमीन पर है। प्लेन में या शिप पर।

तेरी मौत स्वीच लाई मुझे। अब इसमें मेरा क्या कुसूर?

इसीलिए मृत्युदूत ने हवा में उड़ने सारे प्लेन्स में तेरी तरफों को चेंज किया। और ये प्लेन मिला गया।



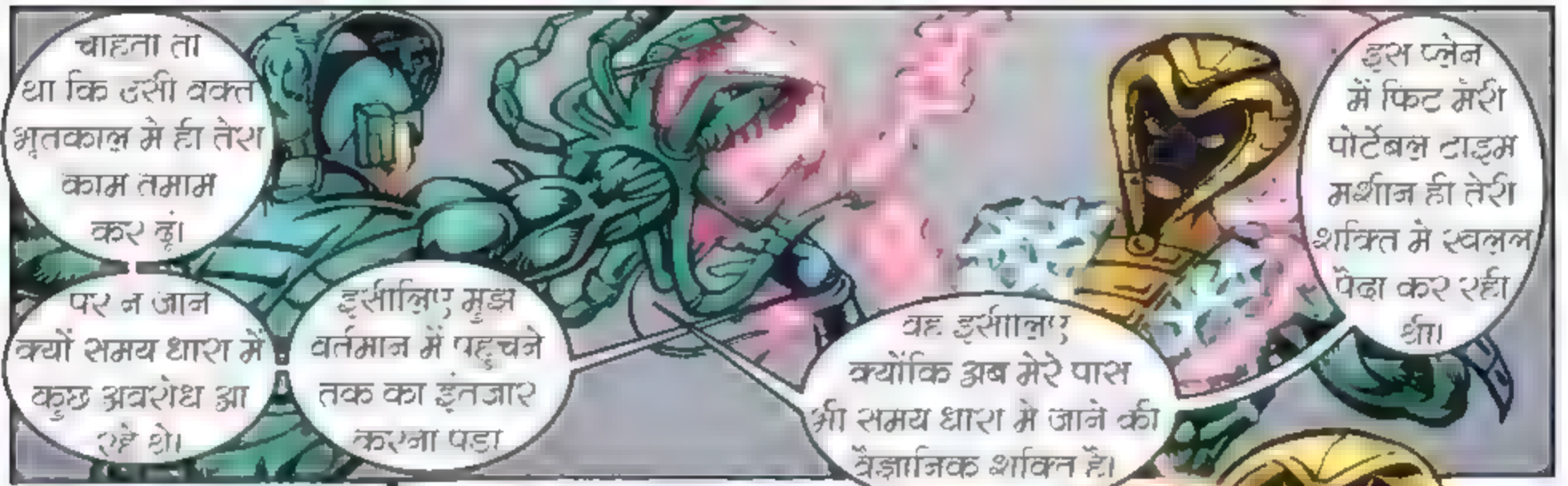
पर काल कराल मुझ तक इस हवा में उड़ते प्लेन में कभी नहीं पहुंच पाएगा।

जब तक मैं उसके सामने नहीं पहुंचा तब तक वह मेरे भूत काल में नहीं जा पाएगा।

और मुझसे इस पिक कोर बम को वह एक ही हासल में छीन सकता है। मेरे भूतकाल में जाकर! वर्तमान में तो मैं ऐसा...

...हांन दूला नहीं? यही मुझे भी कहना है।

फिर मैं तेरे प्लेन के भूतकाल में गया और उड़ने से पहले ही उसमें प्रवेश कर गया।



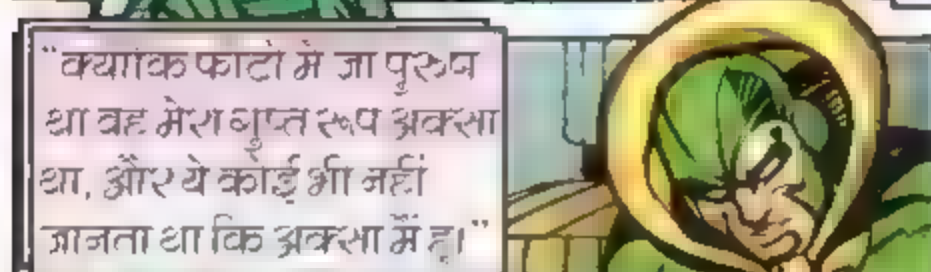




पर फिलहाल
तुम श्री शक से
परे नहीं हो।

पुलिस
साइकोपुनालिस्ट
के अनुसार विक्रिम
आमतौर पर ऐसी दशा
में अपने कात्तिल का
नाम ही लिखता
है।

"मेरे लिए किसी का श्री समझा पाना असंभव था।"

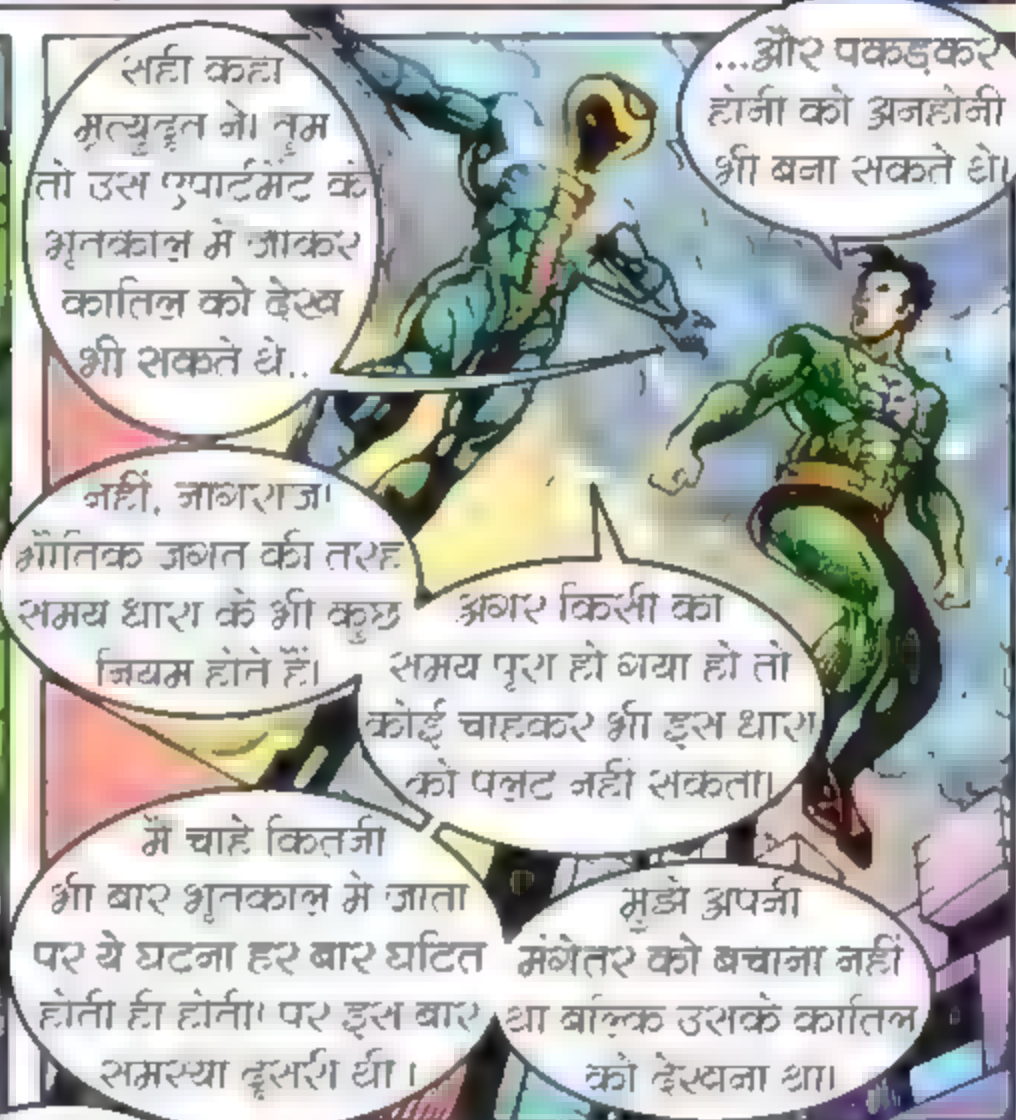


"क्याक फाटो में जा पुरुष
था वह मेरा वृत्त रूप अकसा
था, और ये कोई भी नहीं
जानता था कि अकसा में है।"



"फिर हिमाजा का जानन
का सवाल ही कहाँ पैदा
होता था। पर ये तय था कि
मेरी मंवेतर की हत्या मझे
दृश्य और डड, डोजो डेजे के
लिए ही की गई थी।"

धारज रखा,
दोस्त। कात्तिल
हमसे छुप नहीं
सकता...



सही कहा
मृत्युदूत ने तुम
तो उस एपार्टमेंट के
भूतकाल में जाकर
कात्तिल को देख
भी सकते थे...

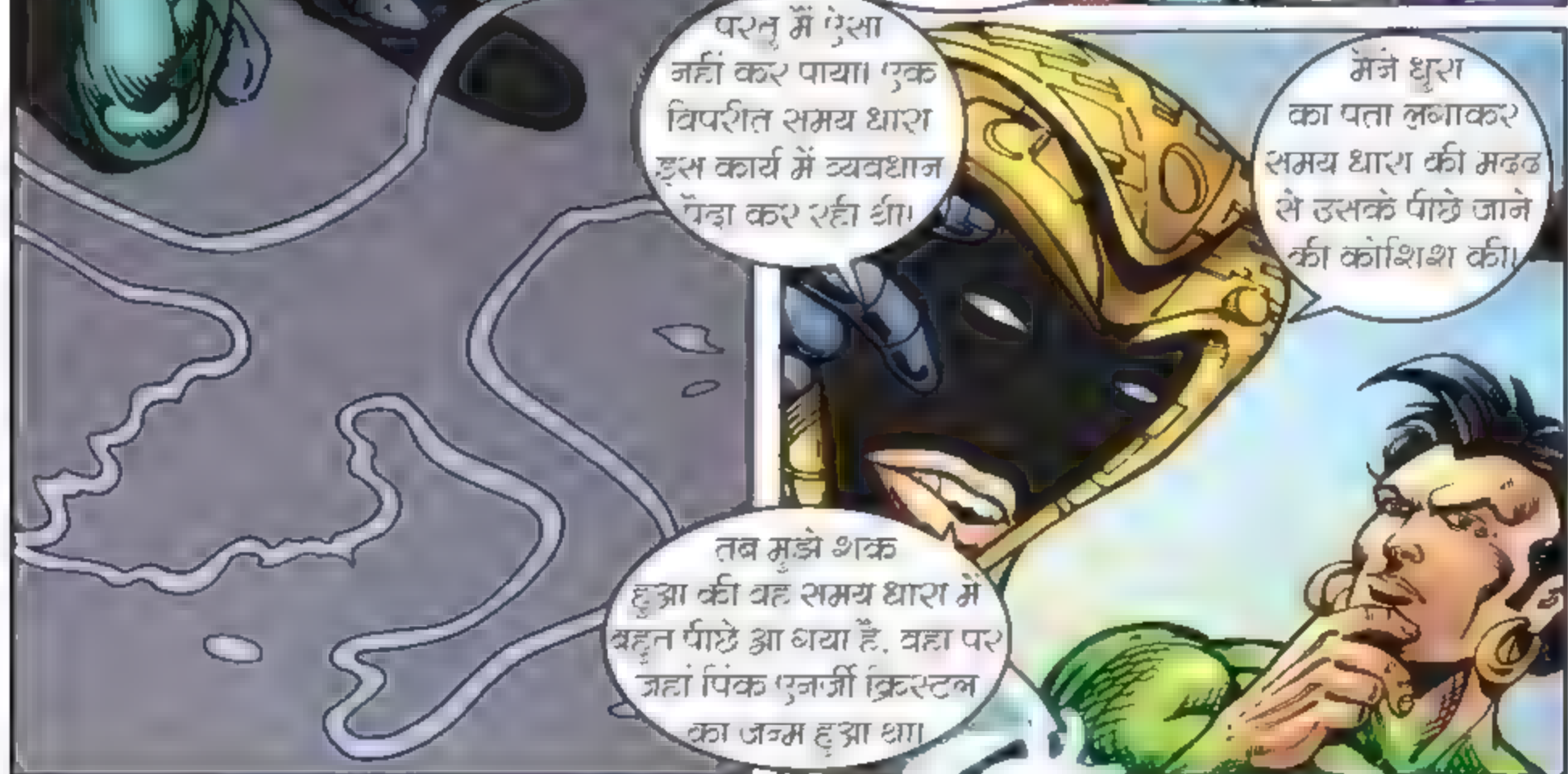
...और पकड़कर
होना को अनहोनी
भी बना सकते हो।

नहीं, जागराज।
भौतिक जगत की तरह
समय धारा के भी कुछ
नियम होते हैं।

अगर किसी का
समय पूरा हो गया हो तो
कोई चाहकर भी इस धारा
को पलट नहीं सकता।

मैं चाहे कितनी
भी बार भूतकाल में जाता
पर ये घटना हर बार घटित
होती ही होती। पर इस बार
समस्या दूसरी थी।

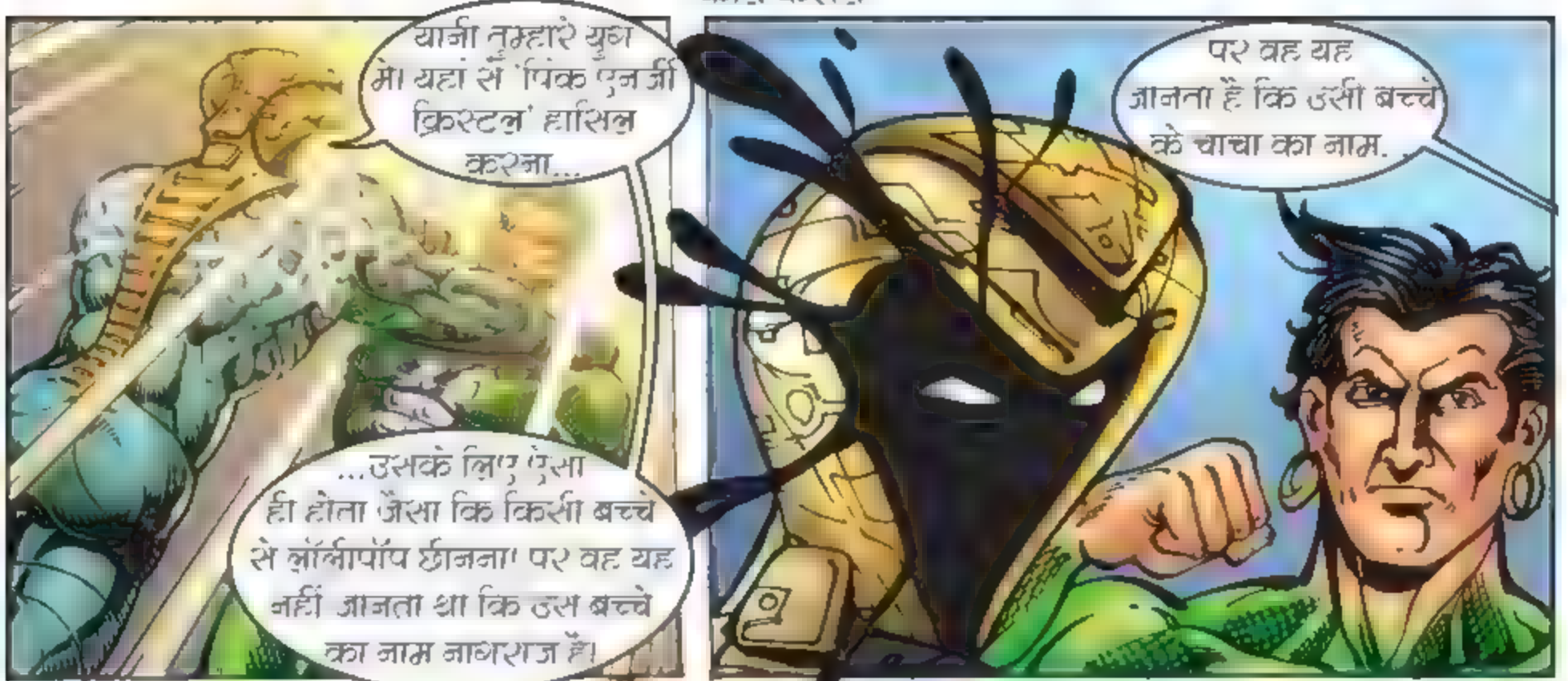
मुझे अपनी
मंवेतर को बचाना नहीं
था बल्कि उसके कात्तिल
को देखना था।

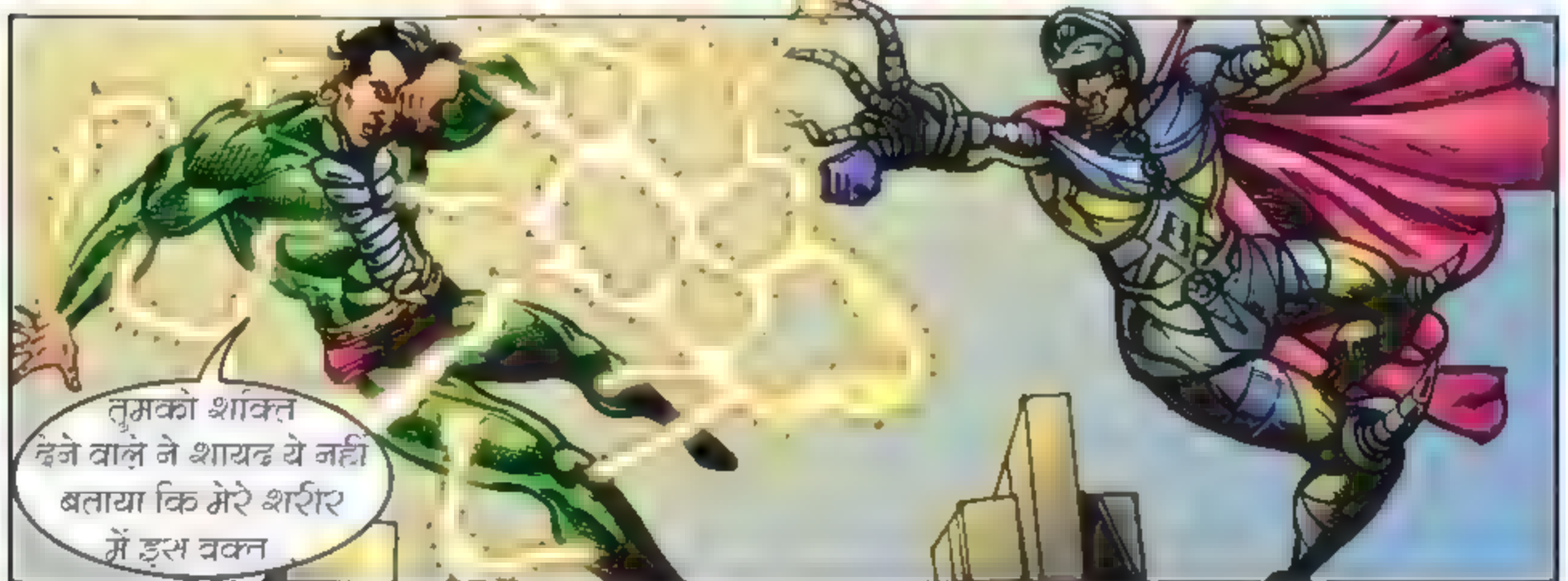


परन्तु मैं ऐसा
नहीं कर पाया। एक
विपरीत समय धारा
इस कार्य में व्यवधान
पैदा कर रही थी।

मेने धारा
का पता लगाकर
समय धारा की मदद
से उसके पीछे जाने
की कोशिश की।

तब मुझे शक
हुआ की वह समय धारा में
बहुत पीछे आ गया है, वहा पर
जहां पिक पुनर्जी क्रिस्टल
का जन्म हुआ था।









कहीं और भी स्वतंत्र मे दी।

एक बार तेरा
पुत्र जलधारा में बह
जाए, मेरे भईया। फिर
तुझे भी भवसागर
पार करा दूंगा।

देव काल जया
जी की यही इच्छा
थी! अब वे ही तुम्हारी
रक्षा करेंगे पुत्र।

वार करा
इस पर।



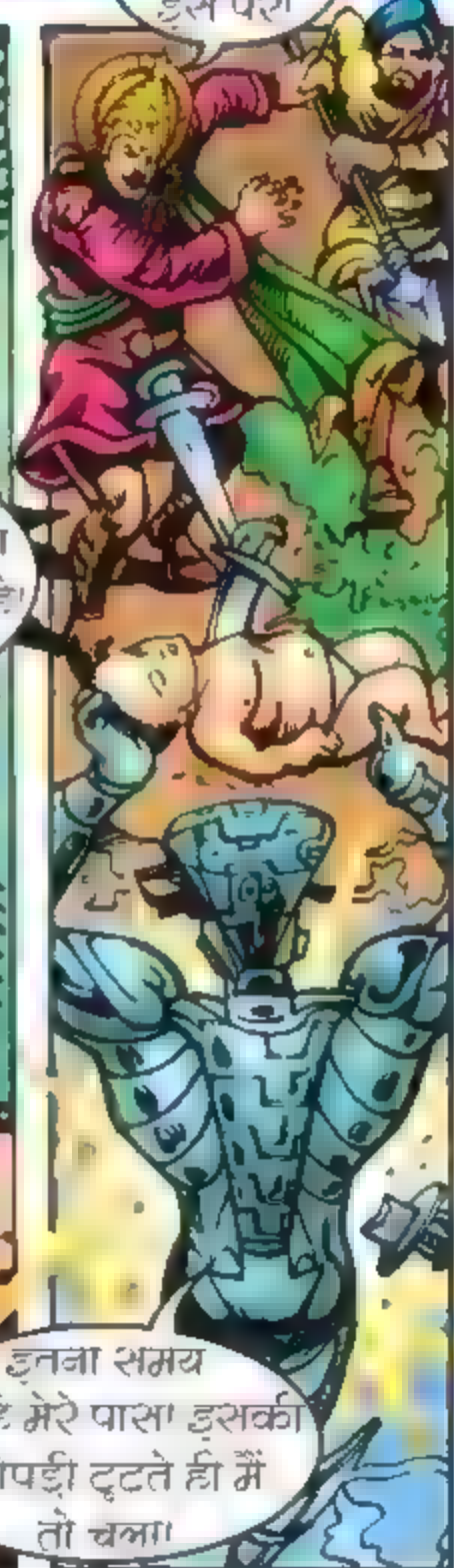
इसका
यमराज ने अपनी
शरण में ले लिया है।
धृग नाम का यमदूत
भेजा है। इसको ले
जाने के लिए।

महाराज! वह
देखो! चमत्कार!

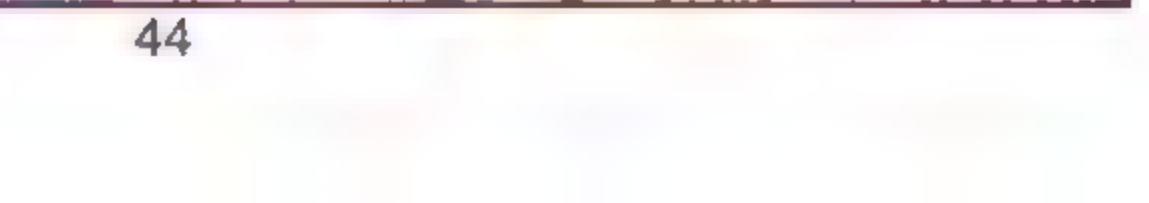
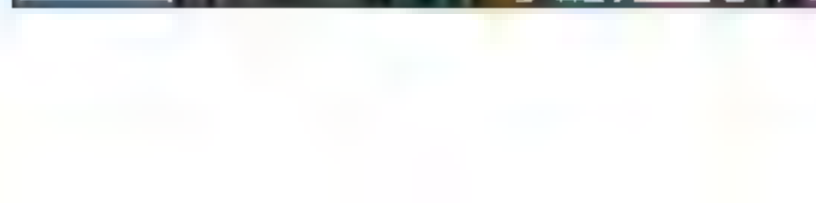
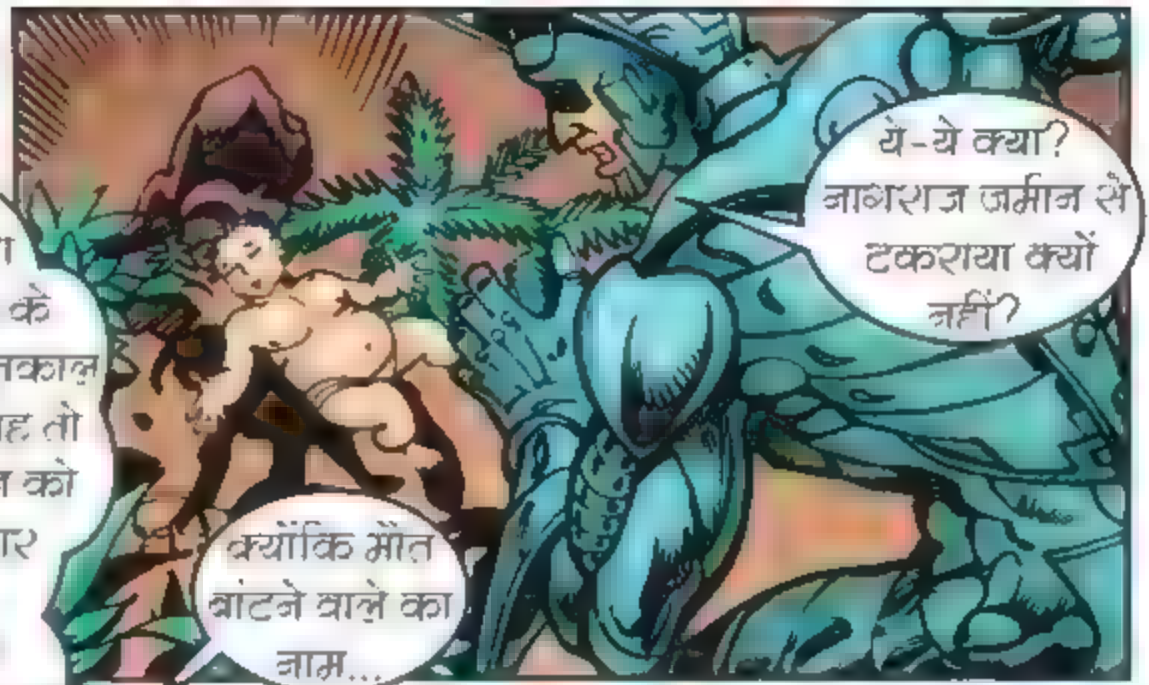
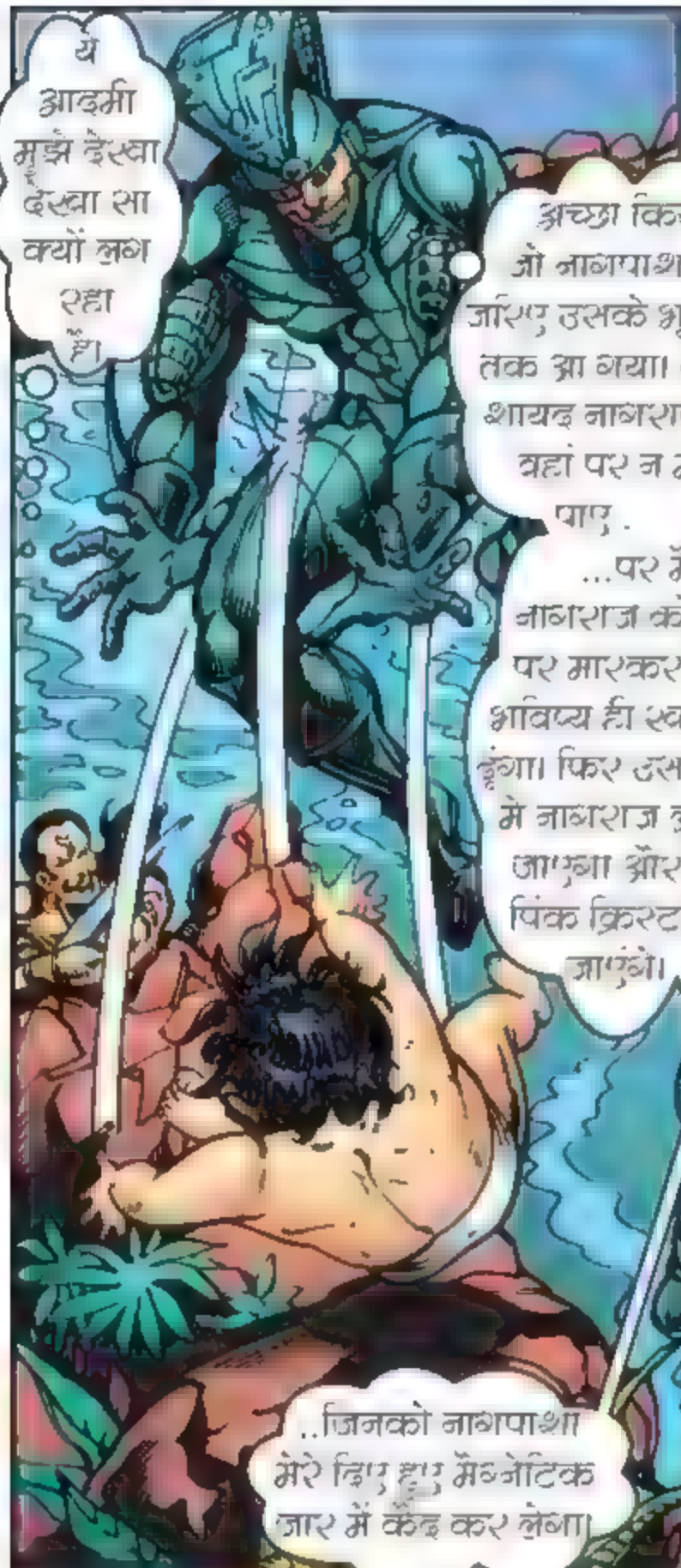
यह क्या? क्या
सचमुच देवकाल जया
ने मेरे पुत्र को शरण
में ले लिया है।



अशु के प्राण
तो पहले ही जा चुके हैं। या
शायद नहीं। कुछ बड़बड़ है।
इसे रोकना होगा।



इतना समय
नहीं है मेरे पास। इसकी
खोपड़ी दटते ही मैं
तो चला।





...कि तू ध्यान भटका कर, भूतकाल में जाकर, असहाय बालू नागराज को मारकर...

...उसका पूरा इतिहास ही स्वप्न कर देना चाहता है। अगर ऐसा न होता तो तू नागपाशा जैसे चूहे को हमारे सामने न भेजता।

मैं चूहा? या ये किसी और नागपाशा की बात कर रहे हैं। और ये बच्चे को नागराज क्यों कह रहे हैं। इसका नामकरण कब हुआ?

स्वैरा मझे तो बस ये देखना है इस देव दानव युद्ध में चाहे जीने कोई पर हारे नागराज.. ओफ.. मेरा मनलब... ये बच्चा!!



महाराज! ये क्या हो रहा है मेरे पुत्र के साथ?

महाराज! आपको इस हालत में यहाँ पर नहीं आना चाहिए था।

अब मेरा पुत्र मृत है तो उसके लिए ये देव-दानव युद्ध क्यों हो रहा है?

पता नहीं, महाराज! परन्तु हम मृत दर्शक बनकर देखने के अलावा और कुछ नहीं कर सकते।

सही याद दिनाया, राजा! हमारा पुत्र शाप का शिकार ही सही, पर इस मामले की तह तक तो पहुँचना ही पड़ेगा।

क्यों नहीं कर सकते, महाराज! हमारे पास भी वेदाचार्य और गुरुदेव जैसे ज्ञानी हैं जिनसे देव दानव भी धर-धर कापेंगे।



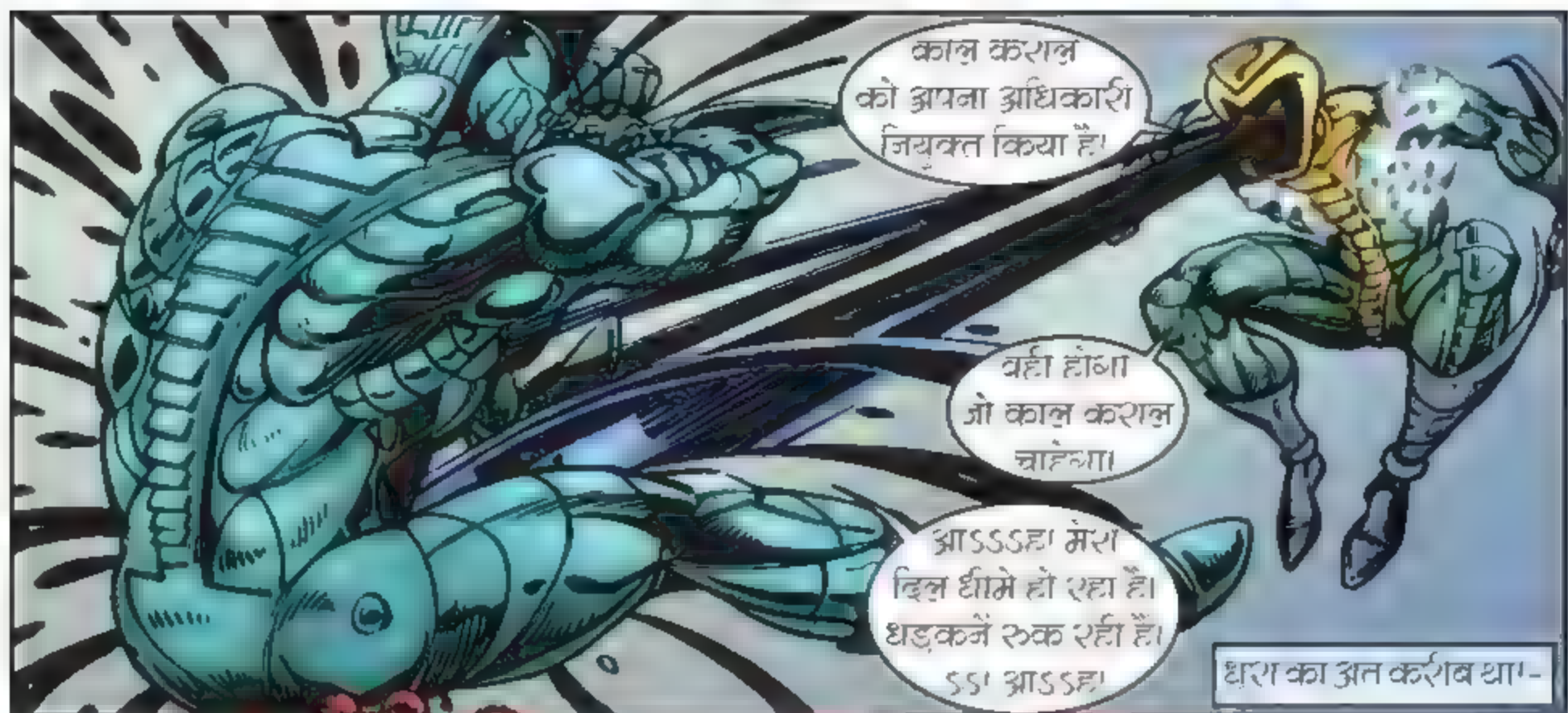
वैसे तो मैं सिर्फ पिंग क्रिस्टल लेकर ही लौट जाना था, पर तुने मेरे दिल पर घाव लगाया है।

अब तेरे दिल का धड़कता हुआ मैं छोड़ूँ श्री तो कैसे?

पर धड़कन बचेगी उसी की जिसकी किरमत साथ देगी।

काल कराल किरमत को नहीं मानता, होनी को मानता है और होनी ने

मृद तो ये भी नहीं पता कि तु किस घाव की बात कर रहा है।





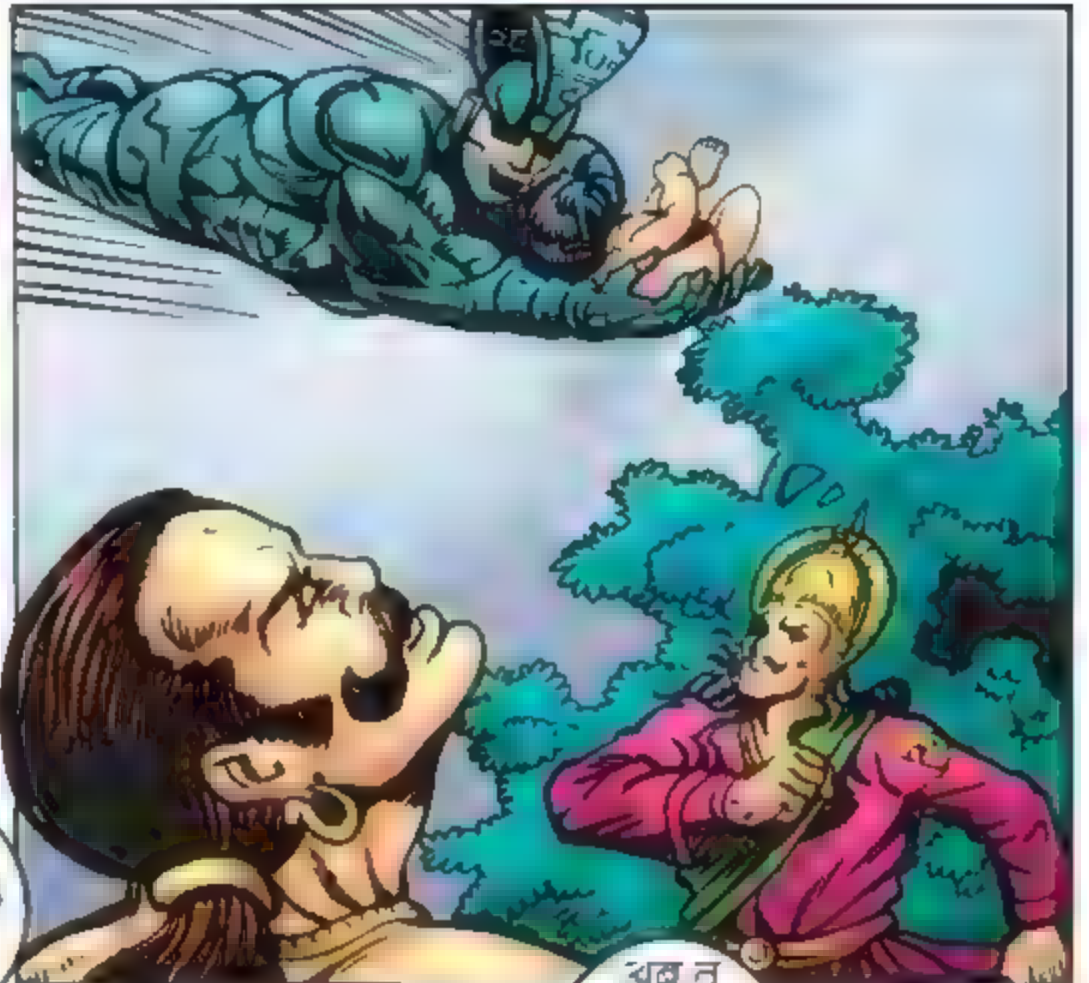








कुछ समझ में नहीं आ रहा है। कोई कुछ बक रहा है। कोई कुछ। मेरे बच्चे के साथ खिलवाड़ हो रहा है। और मैं..



अब न देखेगा मुझे इस बच्चे की गर्दन मरोड़ते हुए।

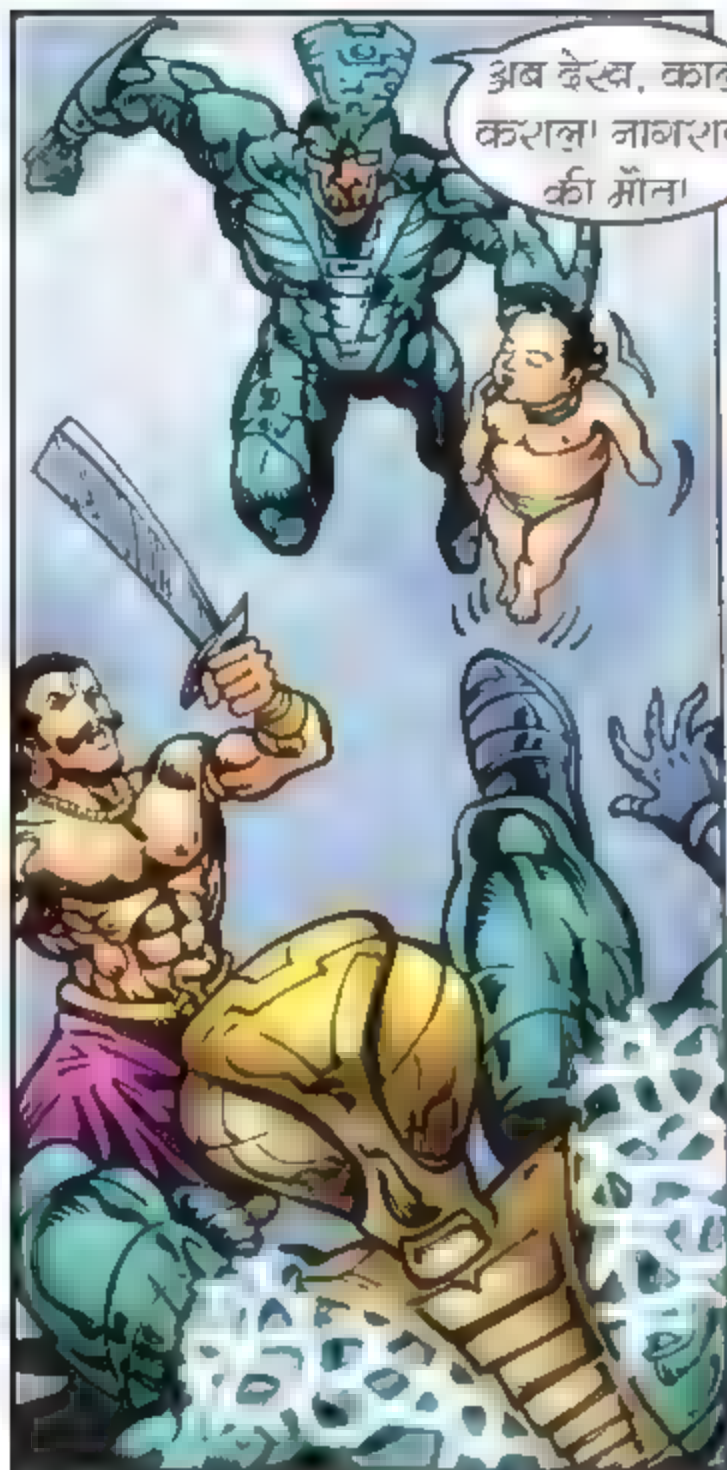


..तेरा इंतजाम करूँगा।

अब मैं इसकी गर्दन मरोड़ूँगा, लेकिन इससे पहले मैं...



मैं तेरी समय शक्ति को अवरोध कर दूँगा! कुछ वैसा जैसा मैंने अपने प्राइवेट प्लेन में भागने के दौरान किया था। वैसे श्री नृ अभी कमजोर ही है।



अब देख, काल कराल! नागराज की मौत!



रुक जा, बूढ़ा!



मरा बच्चा!



आफ़! य क्या?



हो हा!



तु नागराज का मारकर उसका भाविष्य स्वप्न करना चाहता है पर अगर नागपाशा ही न रहा तो क्या करेगा तु?



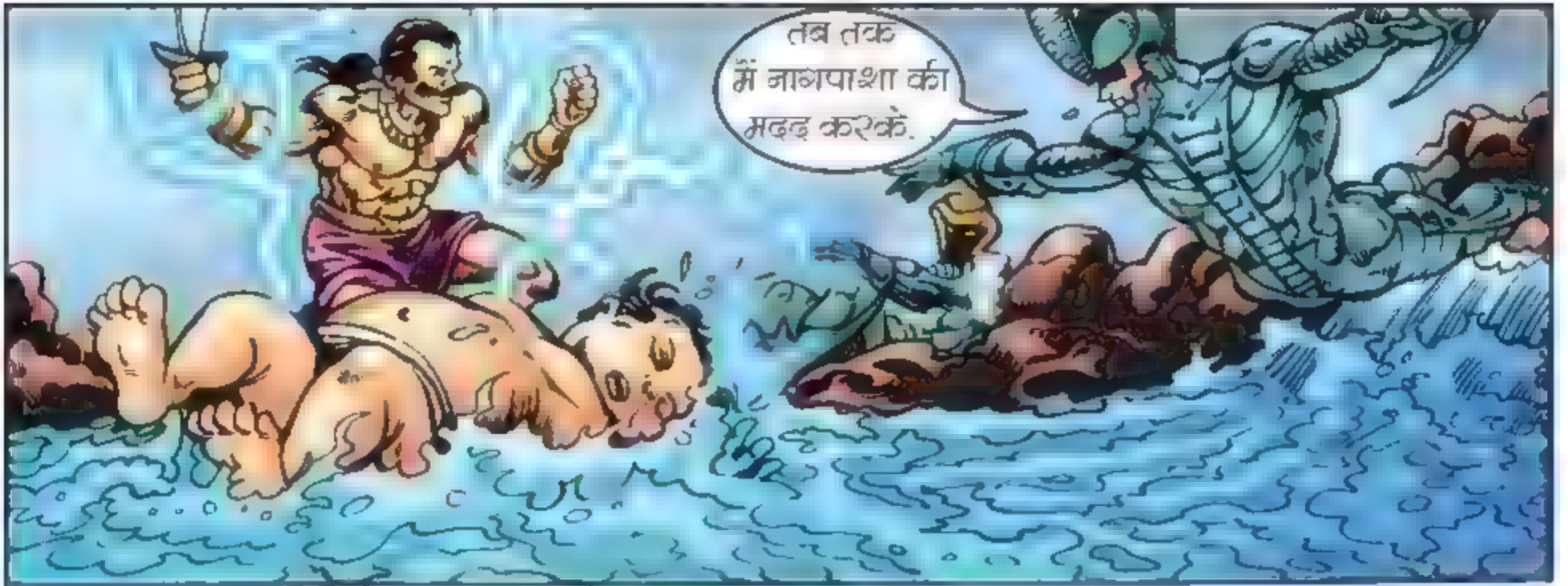
मे इसका भाविष्य यही पर स्वप्न कर देता हूं!

न नहीं! नहीं!

तो पहले शिशु को अपने सफर पर जाने दे।



य . ये हो अब मैं तो चला। जब तक तु अपनी शक्ति बटोर कर मेरे पीछे आ पाया...



और वे सिर्फ एक समयकाल तक सीमित नहीं था।



काल कराल
की कोई सूचना
मिली?

नहीं, कमिशनर!
उन्होंने अभी तक कोई
संपर्क नहीं किया।

काल कराल
ने कानून का यह स्थला
उल्लंघन किया है। नियमों
की धाजियां उड़ाई हैं
उसने।

और सबसे
बदतर बात यह है कि
मेरे विश्वास को तोड़ा
है उसने।

मरे यह बनाने के
बाद भी कि वह अपनी मंथेत
की हत्या के सिलसिले में स्वयं
एक साक्ष्य है,...

उसने शहर
और देश तो छोड़ो, यह
समय काल ही छोड़ने की
हिम्मत कर ली।

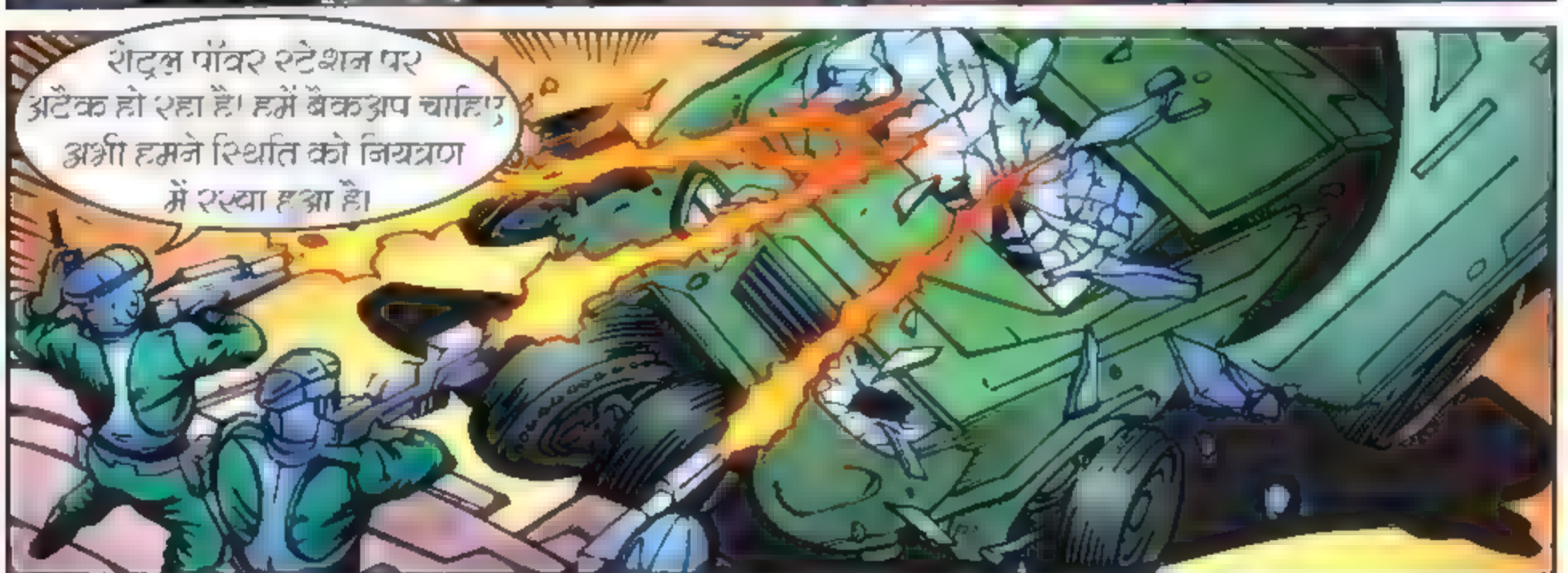
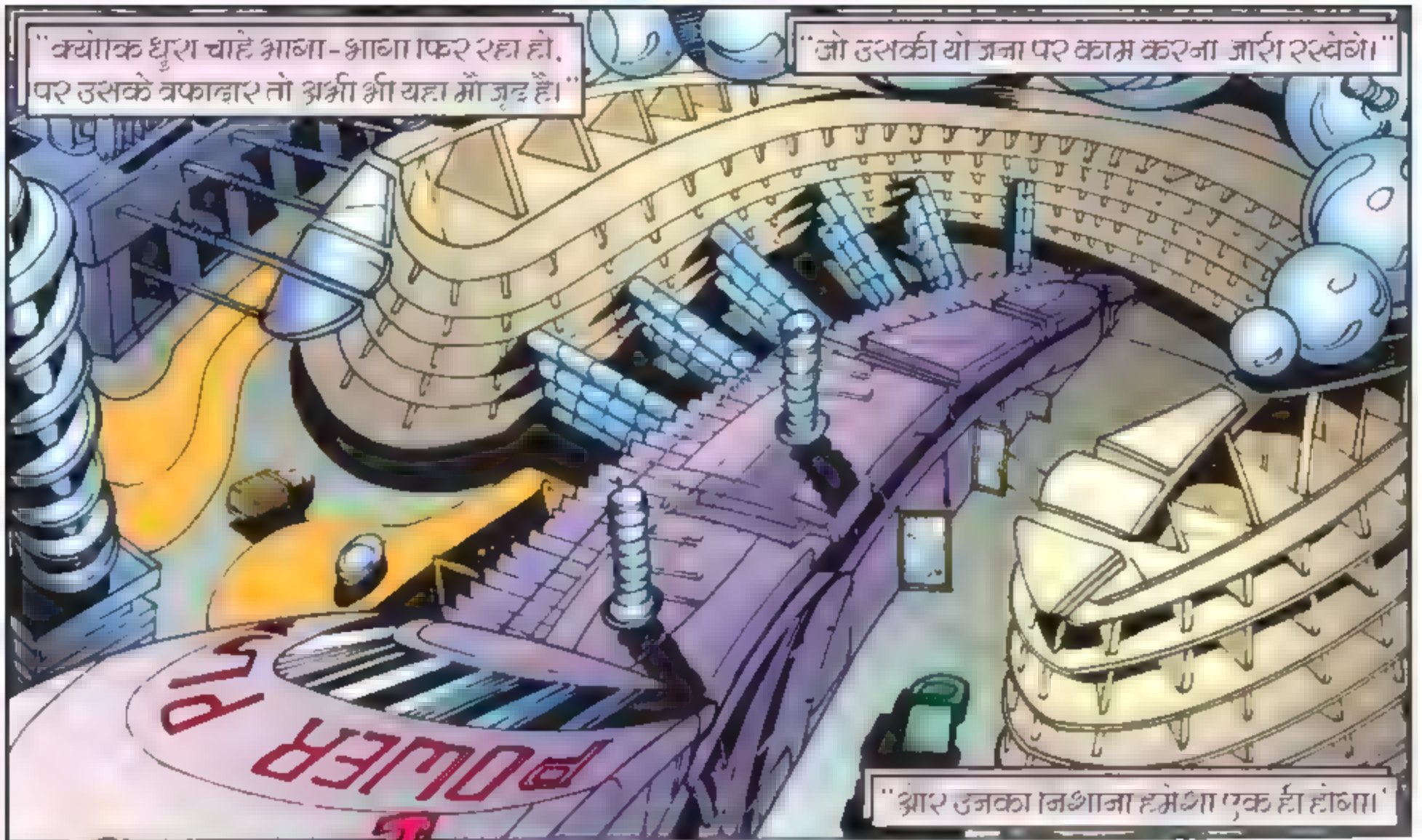
साक्ष्य
काल कराल
नहीं, धुरा है और
वे धुरा के पीछे
ही गए हैं।

पिक
एनर्जी क्रिस्टल,
जो काल कराल
ने धुरा से हासिल
किया था, वह
मझे चाहिए।

वह मेरे संरक्षण में
है! मैं अभी उसे आपको
लाकर दे देता हूँ।

साक्ष्य
बीत गई पर
पुलिस वालों का
शक्की मिजाज
नहीं बदला।

वे समझत
नहीं हैं कि धुरा
को पकड़ना
कितना जरूरी
है।





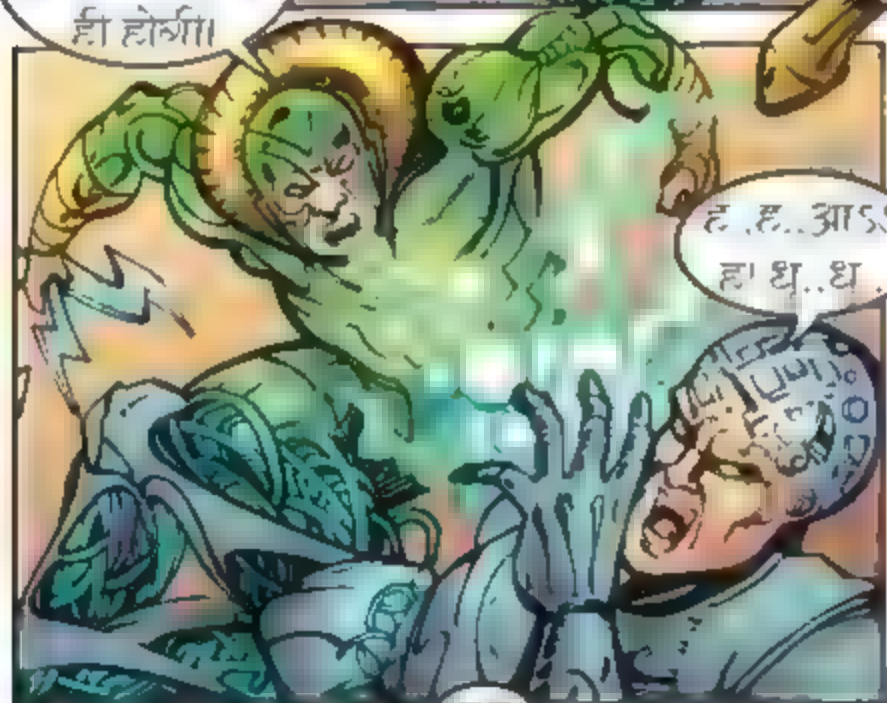




मेरा विष इसके
शरीर की सभी नर्वस
पॉवरर्स को ज़ाम कर देगा
और अगर इसको
ज़िंदा रहना है..

...इसके ये बतान
के बाद कि धुरा कहाँ है।
क्योंकि जहाँ पर धुरा होगा,
वहीं पर काम करना
भी होगा।

ता इसका
जबान खोलनी
ही होगी।



ह..ह..आ..स
ह..ध..ध

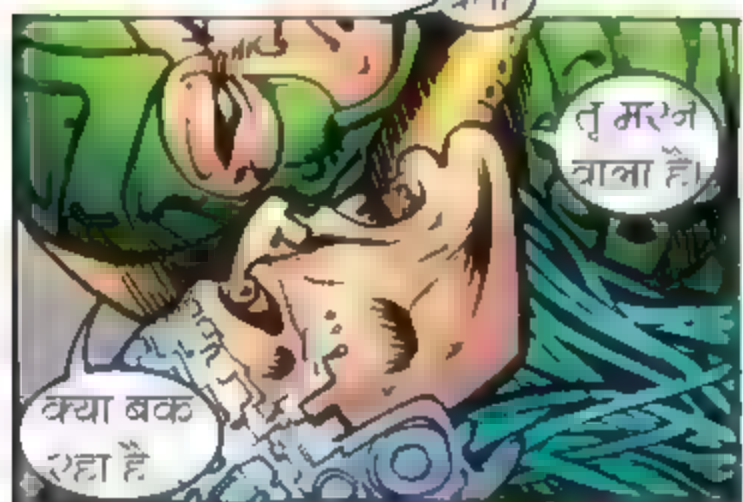
बना!



म..म
नर्वक!

ज़ार से बोला
कुछ सुनाई नहीं
हो रहा है।

पा..स..
आ...ओ!



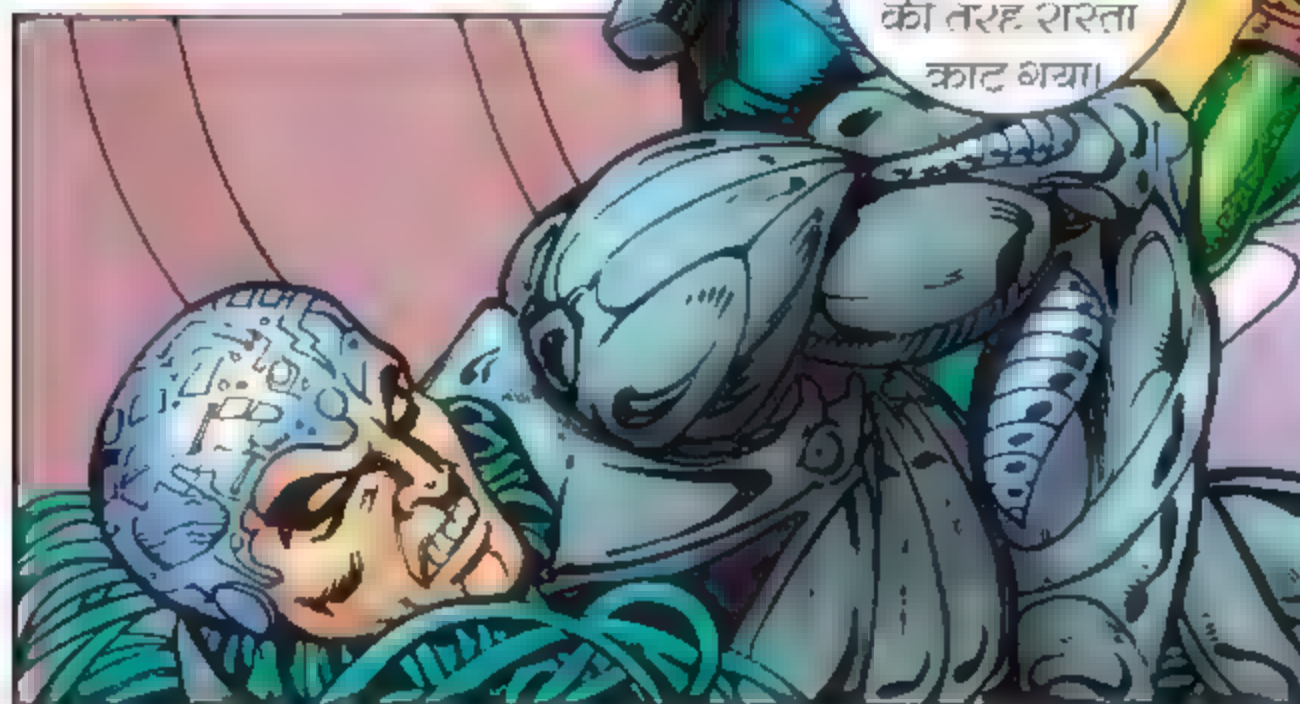
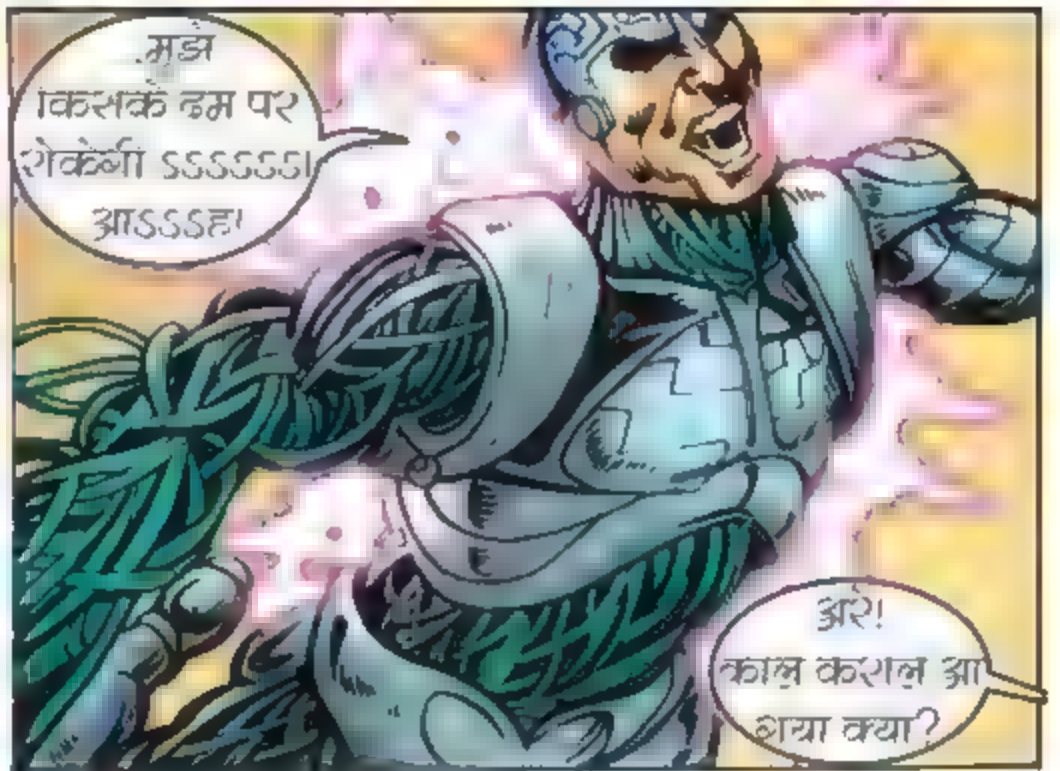
तु मरने
वाला है।

क्या बक
रहा है



तेरी शक्तिया
तुझे मरने नहीं देगी
मृत्युदंड और मैं तुझे
ज़ाने नहीं दूंगा।







नागराज!
नागराज कौन? हम तो
एक ही नागराज को जानते हैं।
मध्ययुग का सबसे सक्षम
रक्षक नागराज!

अब और
कुछ मत पढ़ना!
क्योंकि अब पढ़ना
मुझे है। तुम यहां के
रक्षक लगते हो। काल
कराल से तुम्हारा
क्या संबंध है?

सक्षम की तो
मैं नहीं जानता, पर
रक्षक नागराज मैं
जानता हूँ।

पर.. तुम..
तुम यहां...?

नहीं। मैं यहां तक
कैसे पहुंचा यह मुझे भी नहीं
पता। पर पहुंचा मैं सही समय पर
हूँ। धरा के इस चमचे के हाथों में
मैं इन एनर्जी क्रिस्टल्स को
पढ़ने नहीं दूंगा।

काल कराल तो
मेरे बुरे हैं। उनसे मैं काल
इच्छाधारी होने के बुरे सीख
रहा हूँ। क्या तुम भी काल
इच्छाधारी सप हो?

मैं भी तुम्हारा
सद्व.. आ SSह।

तुम अपन
आपको सझाना।
इसको मैं देखना हूँ।

ओफ़! इन क्रिस्टल्स
के चारों तरफ एक अजीबो- ये ऊर्जा मुझे कमजोर
बरीब शक्ति का पॉवर- कर रही है तो इस पर
फीकड़ है जो मुझे उड़ने से रोक रहा है।

परन्तु अगर
ये ऊर्जा मुझे कमजोर कर रही है तो इस पर
भी समाज असर
हानेगी।

इसकी
शक्तियां भी
श्रीण होती दिख
रही हैं।



पर ज्यादा नहीं! ओऽऽऽफ!



इस लड़ाई का बर्ती जा निकलने में समय लग सकता है। मुझे पहले पिक क्रिस्टल की सुरक्षा का इंतजाम करना होगा। और उसके बाद .



आऽऽऽह! इनके स्पर्श का झटका तो एकदम अलग सा है। हाई वोल्ट बिजली के झटके से भी बरा।

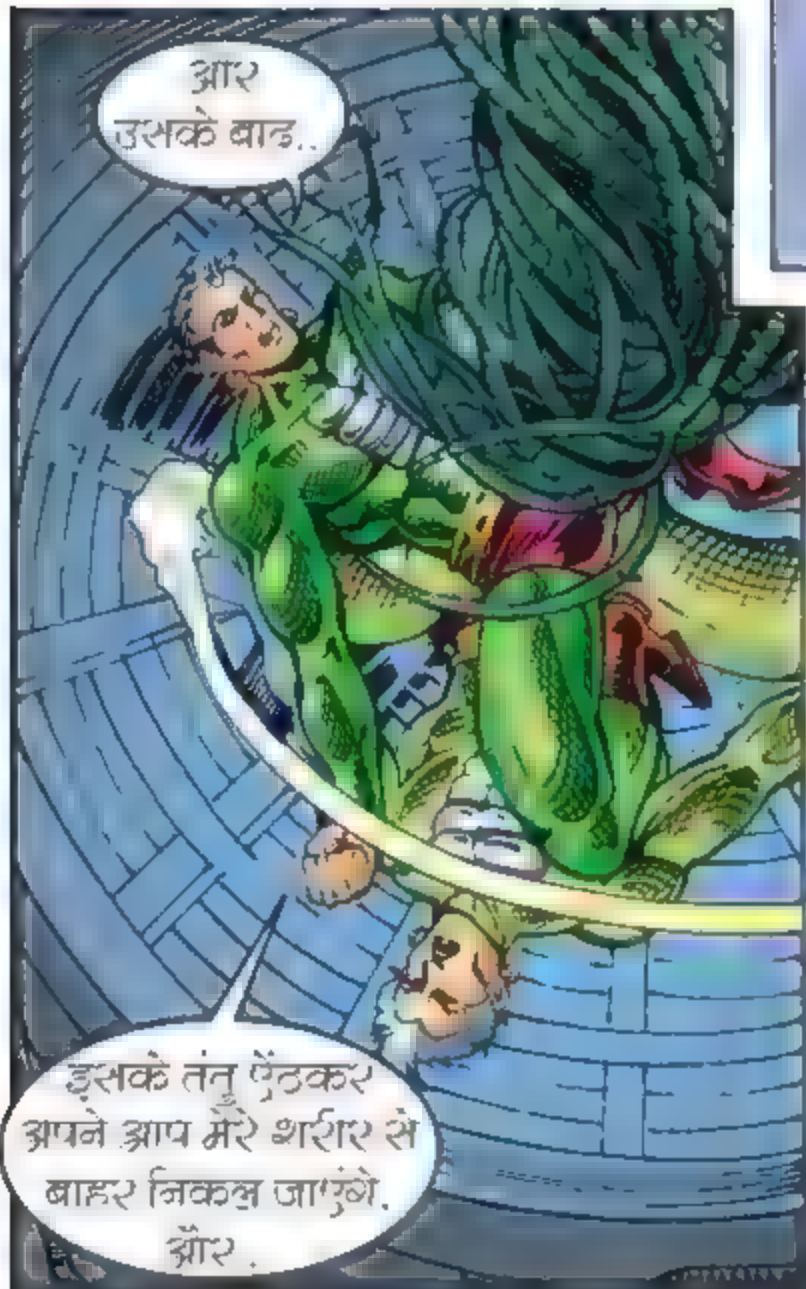
अब मैं भी अपनी शक्ति वापस आती हुई महसूस कर रहा हूँ।

ओफ! ये क्या हुआ! अब कुछ ही पलों में य नागराज के रणायु तंत्र को या तो नष्ट कर देगा या अपने कब्जे में ले लेगा।

मैं... आऽऽह... आ रहा हू, नागराज! संभाले रखो अपने आपको!



मृत्युदंड!





नागराज इस युद्ध का अन्तर समाप्त हुआ समझ रहा था। -

आऽऽह।
मैंने इसके फटने का अंदाजा नहीं था।



ता अब उसका समाप्त होने का वक़्त आ गया था।



अब नो... आऽऽह...
इसको शरीर से दूर रखने का कोई रास्ता भी नहीं सझ रहा है।



अब नृ बया,
नागराज।

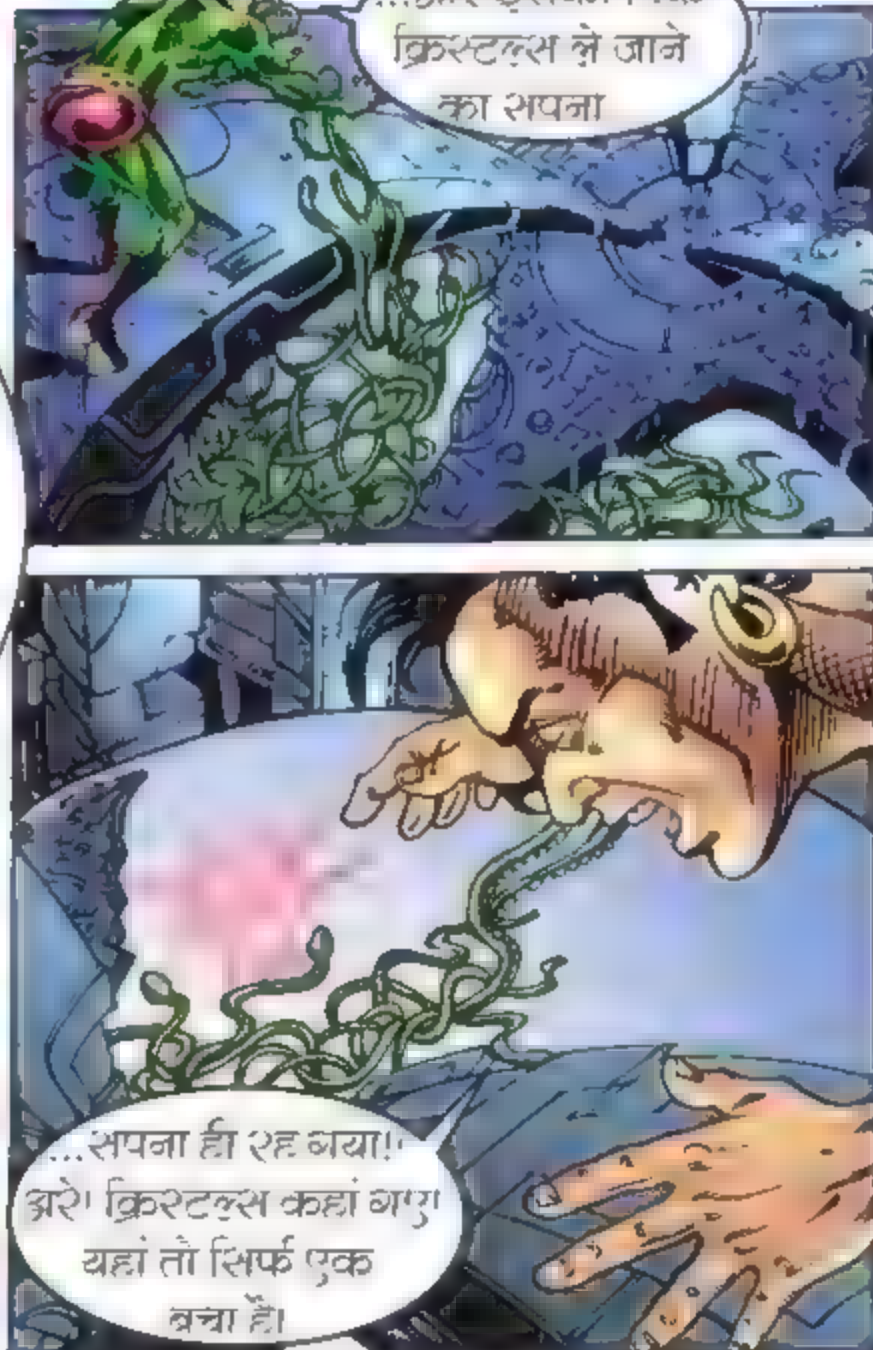
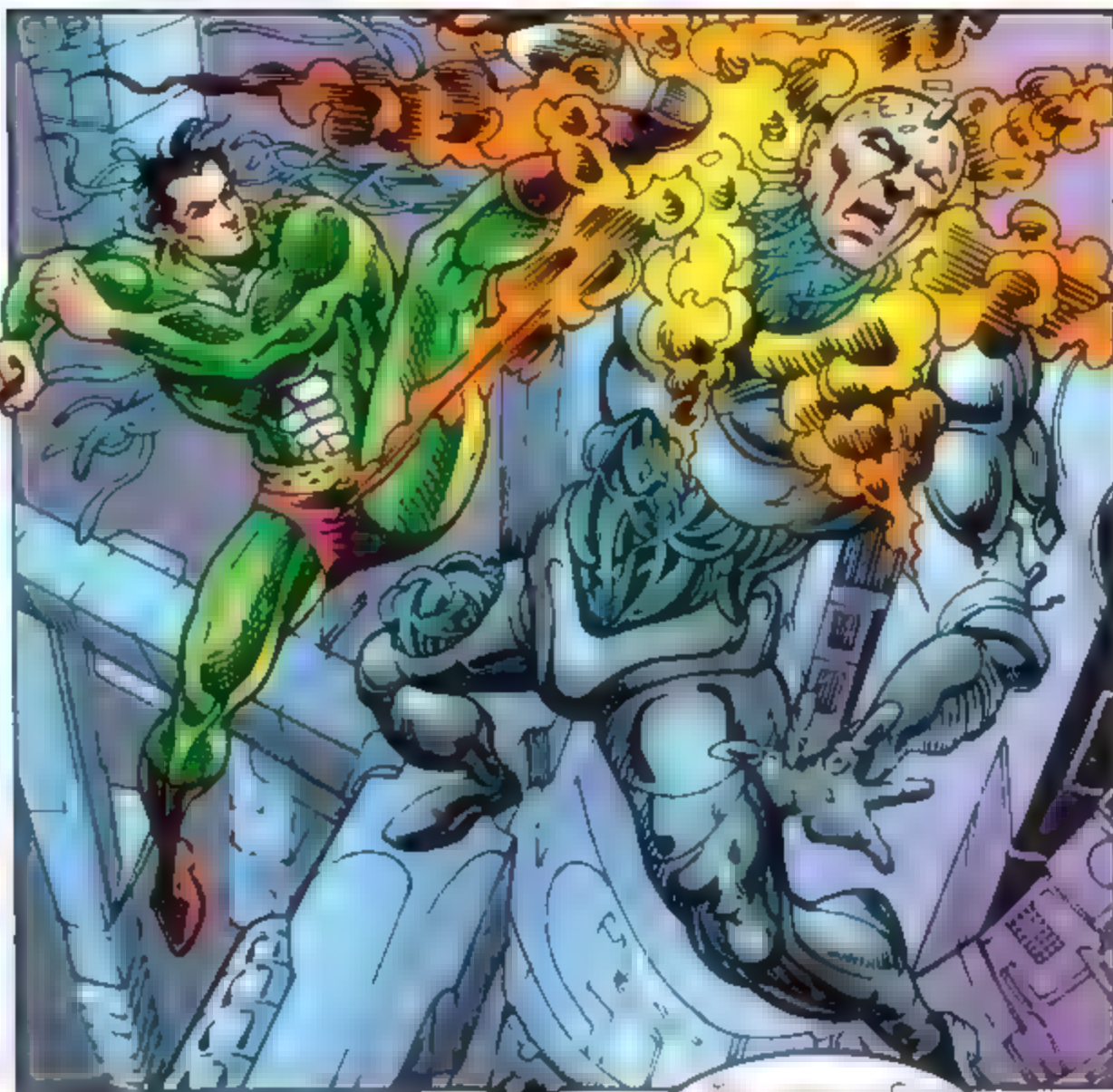
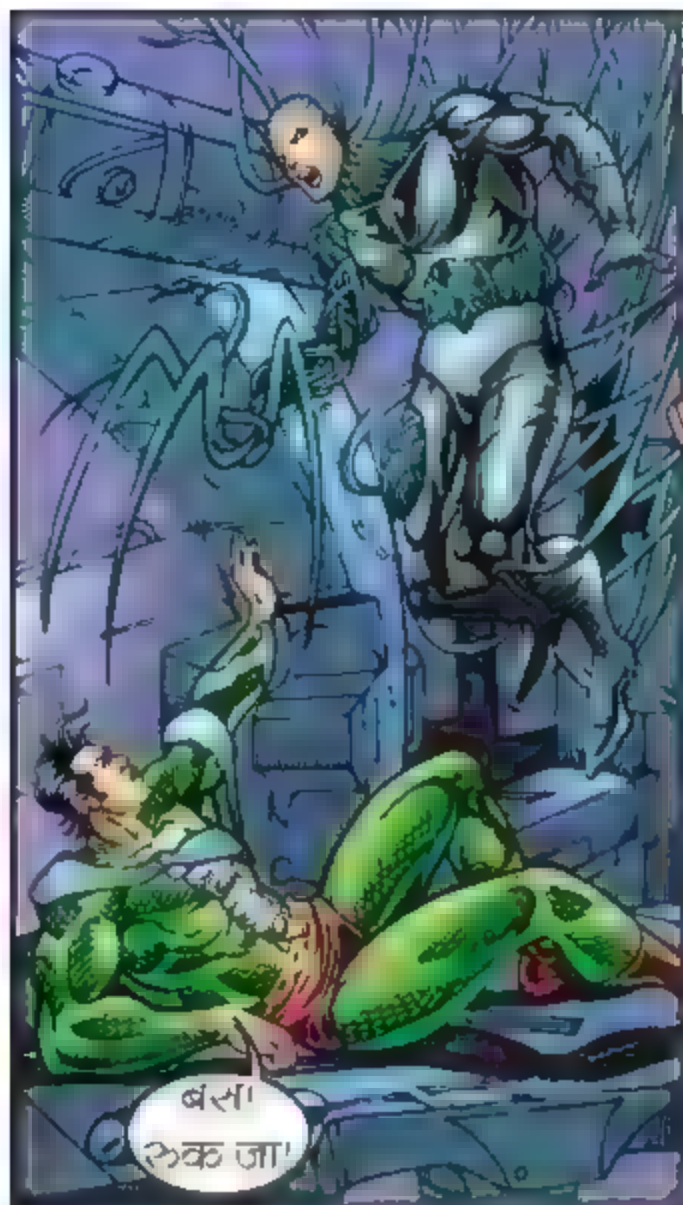


आऽऽह! ता ये इसकी चाल थी। दुश्मन को मरने से पहले मरा नहीं समझना चाहिये।



सुना है
ये भूतकाल से आया है।

वहीं मर जाता।
इतनी मेहनत करके मरने की क्या जरूरत थी।





मैं समझ गया।
बहुत शक्तिर चाल
चली है धुरा ने।

हम इससे
उलझे रहे और
क्रिस्टल कोई
और ले गया।

पर कैसे? ये
कोर तो मेरे सपों से ढका
था। इनको जीने जी हटा पाना
किसी महाशक्ति के ही
बश की बात है।

और वह एक
क्रिस्टल क्यों
छोड़ गया।

अगर सारे क्रिस्टल
उठाने की कोशिश करता
तो पॉवर सप्लाय ही बंद
हो जाती।

चारों
तरफ अंधेरा
छा जाता और
वह पकड़ा
जाता।

हम्मम्! सुनना है
धुरा हमसे एक कदम
आगे चल रहा है।

इसी कारण
वह आज तक हमसे
बचा हुआ है।

पर अब उसका
रोकना असंभव है। अब वह
हमको धूल में मिला देने की
ताकत रखना है।

बस एक
बात समझ में
अभी भी नहीं
आ रही है।

यही काम करना था तो वह बहुत पहले कर
सकता था। इतना इंतजार क्यों किया उसने?

और वह है धुरा
की टाईमिंग।

पिक
हीरों की शक्ति
तो मेरे पास पहले
से ही है। अब मुझे
तुझसे सिर्फ एक
चीज और
चाहिए।

शाबाश,
जागपाशा। मुझे
पता था कि तुम
नागराज को
हराने में सफल
जल्द होओ।

अब ये एनर्जी
क्रिस्टल मुझे दे दो
और मुझसे इस धरती
पर राज करने की
शक्ति ले लो।

तुम्हारा समयधारा
में ले जाने वाला यंत्र। ऐसा
करोगे तो कम से कम अपनी
जिंदगी इस युग में ही सही,
काट लोगे।

पर यहां पर तो स्वेन से पाला ही गायब था।

तू दोगले.. आ
SSSSSSह!!

अंधा है क्या?
मेरा तो एक ही
बन्ना है।

व्हाट! ये घटना
तो.. कानून व्यवस्था
की धाजियां उड़ा देगी।
कुछ ही घंटों में पूरा
विश्व अंधकार में
डूब जाएगा।

धुरा नगलत जगह पर
सही दांव चला था -

आर उसके बाद
हजारों काल कराल और
नास्त्वों मृत्युदंत मिलकर श्री
स्थिति को सभाल नहीं
पाएंगे।

इससे पहले
कि बिजली चली
जाए...

...मैं अपना मैसेज पूरी
दुनिया के लोगों को दे
देना चाहता हूं।

गॉवर का नया रेट
आप तक पहुंचा
दिया जाएगा।

आर हां! किसी देश
को अगर आपत्ति
हो तो उस देश को
समतल करने में
हम मदद भी कर
सकते हैं।

आज से मैं आप
सबकी नई पॉवर
सप्लाइ 'पुजेसी' हूं।

अब जो मेरे
सामने घुटने नहीं
टेकेला वह खड़ा
होने के काबिल ही
नहीं रहेगा।

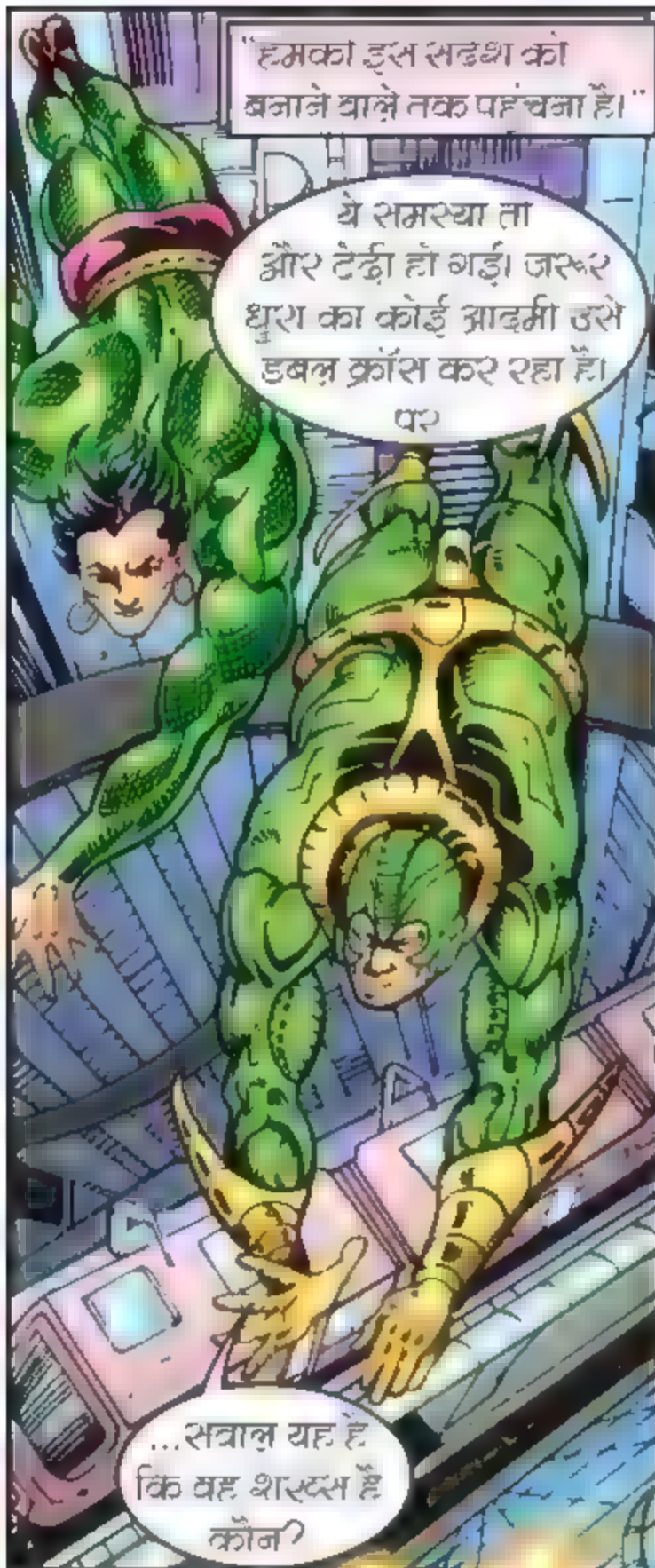
ओफ!
अब तो बात
हमारे हाथ से
जा चुकी है।

धुरा वापस आकर
पूरी दुनिया को अपने कब्जे
में ले चुका है। अब तो सिर्फ
देश की सरकारें ही इससे
निपट सकती हैं।

या फिर..
काल कराल।

पर काल कराल
है क्या? कहीं इसका
अर्थ ये तो नहीं है कि...

नहीं! ये संदेश
धुरा का नहीं है... ये कई
क्लान्स को जोड़कर बनाया
गया है। बीच बीच में झटके
आफ देखे जा सकते हैं।



"हमको इस सदृश को बनाने वाले तक पहुंचना है।"

ये समस्या तो और टेढ़ी हो गई। जरूर धुरा का कोई आदमी उसे डबल क्रॉस कर रहा है। पर

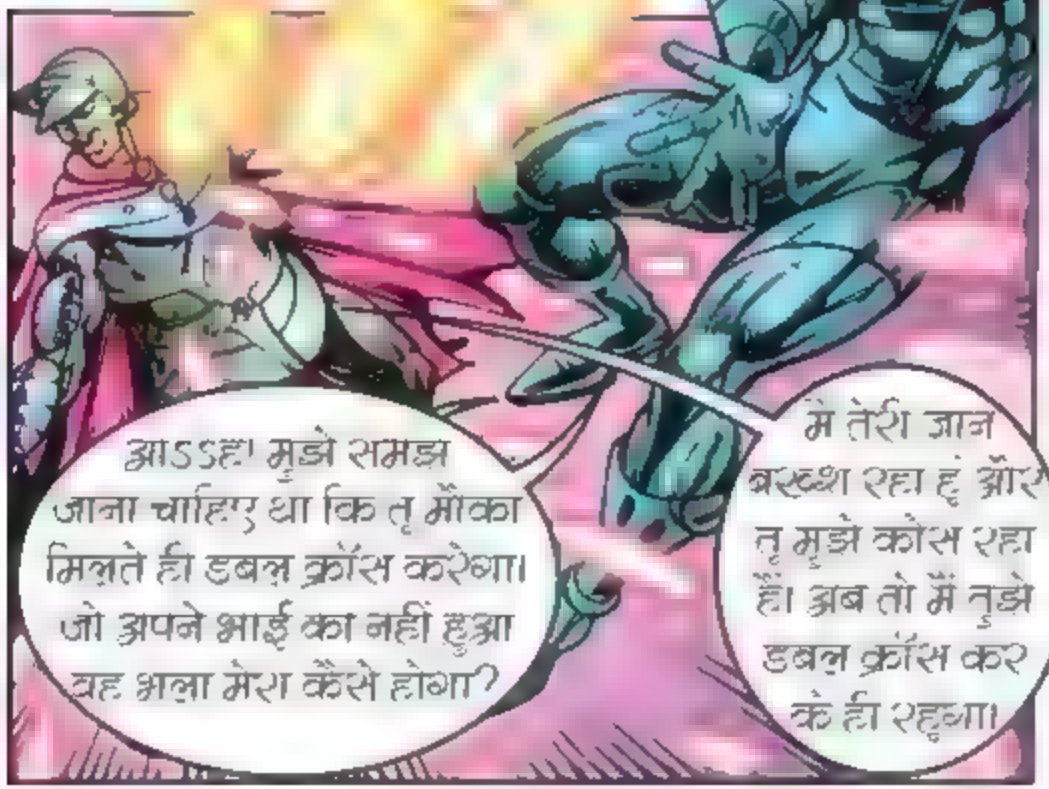
...सबाल यह है कि वह शरूम है कौन?



शाबास, चलो मैंने तेरी पॉवर को इस 'पॉवर ट्रॉसफॉर्मर' से निकाल कर डिया है।

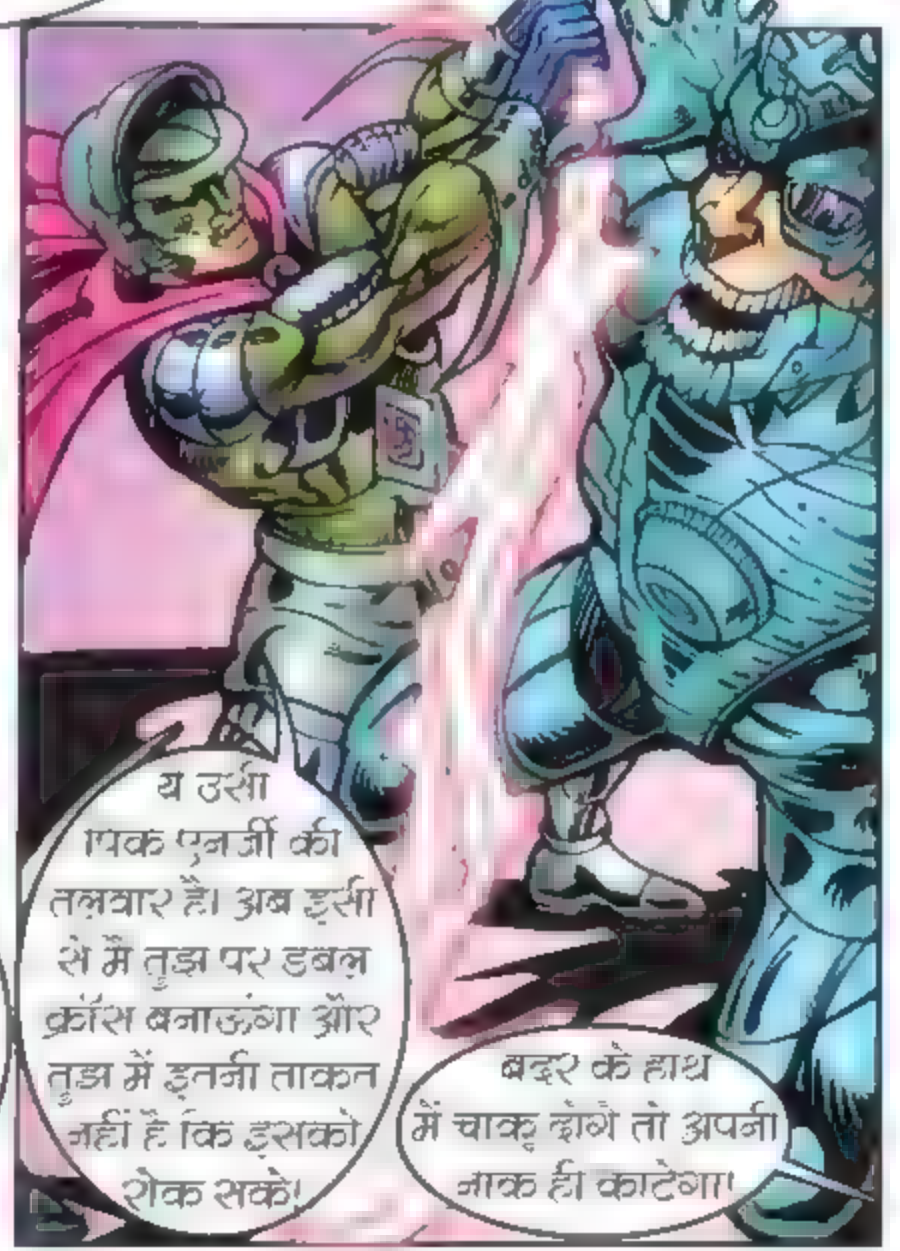
अब तेरी पॉवर फिलहाल सिर्फ इस गुना बर्दी है पर ये धुरा को पीटने के लिए पर्याप्त है।

सही कहा, गुरुदेव। मैं भी इसको मारना नहीं सिर्फ इतना पीटना चाहता हूँ कि ये अपनी समय शक्ति खो कर वापस आवा जाए।



आइडल! मुझे समझ जाना चाहिए था कि तू मौका मिलते ही डबल क्रॉस करेगा। जो अपने भाई का नहीं हुआ वह भला मेरा कैसे होगा?

मैं तेरी जान बख्श रहा हूँ और तू मुझे कोस रहा है। अब तो मैं तुझे डबल क्रॉस कर के ही रहूँगा।



यह उसी एक एनर्जी की तलवार है। अब इसी से मैं तुझ पर डबल क्रॉस बनाऊँगा और तुझ में इतनी ताकत नहीं है कि इसको रोक सके।

बदर के हाथ में चाकू दोगे तो अपनी नाक ही काटेगा।



तुम ..अपनी...समयधारा की शक्ति का प्रयोग करके.. इसको शक्ति हासिल करने से पहले ही रोक सकते हो।

मैं समय शक्ति का प्रयोग कर नहीं पा रहा हूँ।

जैसे पहले धुरा ने काटी और अब तु काट रहा है।

एक दम..सही समय पर आए हो, काल कराल! तुमने हर बार मुझे मेरी मूर्खताओं की सजा दी है। इस . बार भी दो। पर पहले...दुनिया को.. तबाह होने से बचा लो।

शायद इसीलिए, क्योंकि जब हम भूतकाल में थे तो मैंने अपनी समय शक्ति बालक नागराज को देने की कोशिश की थी ताकि वह तुम्हारे चंगुल से छूटकर दूर जा सके।

पर न तो शिशु नागराज कहीं जा पाया और न ही मैं। अपनी थोड़ी सी शक्ति को वापस बटोर कर यहां तक आ पाया हूँ। पर तुम अपनी समय शक्ति का प्रयोग क्यों नहीं करने?

पता नहीं क्यों, लेकिन मैं अपने युग में मौजूद यंत्रों से संपर्क नहीं बना पा रहा हूँ।

काल कराल और धुरा की यह अयोधित संधि भी उनके प्राणों को शरीर से दूर होने से बचा नहीं पा रही थी।





पर एक विकसित दिमाग सिर्फ यही सोच सकता है, यह जान कर मुझे दुःख हुआ।

ये... ये तो मैं... ये क्या मजाक है?



मजाक होता तो अच्छा था पर ये सत्य है।

तुम्हारा दिमाग खराब हो गया है। एक अन्य विकसित दिमाग और क्या सोच सकता है।



अब सिर्फ इतना बना दो कि वो एनर्जी क्रिस्टल कहा है?

...ताकि उसके बाद मैं तुमको यहां की पुलिस के हवाले कर सकूं।

मुझे आश्चर्य हो रहा है कि ऐसा भला तुम सोच भी कैसे सकते हो? मैंने ऐसा कुछ भी नहीं...



बस! तुम पर शक तो मुझे काल कराल की मंतेर की हत्या का मामला जानने के बाद ही हो गया था। क्योंकि सिर्फ तुम उसके गुप्त रूप के विषय में जानते थे।

परंतु पिक क्रिस्टल चोरी हो गए हैं ये भी सिर्फ मैं, तुम और चंद गार्ड ही जानते थे। धुरा का फटाफट वीडियो बना डालना सिर्फ तुम्हारा काम ही हो सकता था।



ये जानने के बाद मेरा शक दूर हो गया। सारे तथ्य अपने आप आपस में जुड़ने लगे?

और सबसे पहला तथ्य यही था कि तुम बगैर काल कराल की जानकारी में आए।

...समय ईच्छा शक्ति को प्राप्त कर चुके थे।

मेरा दिमाग मेरे समय की नज़र में काफी विकसित है। तू उस सच को समझ गया जिसको काल कराल भी नहीं समझ पाया।



काल कराल का सहयोगी, उसका दोस्त, उसकी 'साइडकिंग' सुनते सुनते मेरे कान पक गए थे।

काल कराल ने मेरा वजूद ही स्वतंत्र कर दिया था।

उस वजूद को वापस पाने का सिर्फ एक ही तरीका था... काल कराल को स्वतंत्र कर देना।

मरा एक मात्र उद्देश्य काल कराल को इस समयकाल से दूर करना था। पर सिर्फ इतना ही कारण काल कराल को धुरा के पीछे भोजने के लिए काफी नहीं था।

और जब एक बार दोनों दूसरे समयकाल में पहुँच गए तो मैं यहाँ पर अपना काम शुरू कर दिया। अब मेरे पास वह शक्ति है जिसके सामने काल कराल भी नहीं टहर सकता।

इसीलिए मुझे इस मामले को व्यक्तिगत बनाना पड़ा। न चाहते हुए भी उसकी मर्नेतर की जान लेनी पड़ी। और इसका ठीकरा धुरा के सिर फोड़ना पड़ा।

तुमने दिमाग तो अच्छा लगाया, पर पूरा नहीं लगाया। पॉवर स्टेशन में तुम्हारा गायब हो जाना सदेहास्पद था।

अब जब तक काल कराल वापस नहीं आ जाना, तब तक तुम यहाँ से एक कदम भी बाहर नहीं निकालोगे। और जिस तरह से क्रिस्टल गायब हुए, वह तरीका कोई समय धारा में चल सकने वाला ही अपना सकता था।

पर पहाड़ को हटाने के लिए बड़ी ताकत और दुनिया की सबसे बड़ी योजना चाहिए होती है। और इस दुनिया की सबसे बड़ी चीज़ थी...

इसीलिए मैंने बगैर उसको अपना रूप दिखाए, उसकी मदद की! क्रिस्टल को चुराने में भी और आगने में भी।

समय धारा में चल सकने का रोक्ने की क्षमता तुझमें नहीं है, नागराज।

आSSSह!



अब मुझे समझ में आ रहा है। कि तू जिदगी भर 'साइड किक्' ही क्यों बना रहा। तेरी अकल उस गोलूय ही है।

यहां पर तू समय शक्ति का प्रयोग नहीं कर सकता। यहां पर तेरे सामने सिर्फ मैं हूँ।

और तूने मेरे भूतकाल में जाने की कोशिश की तो तू खुद बखुद काल कराल तक पहुंच जाएगा।

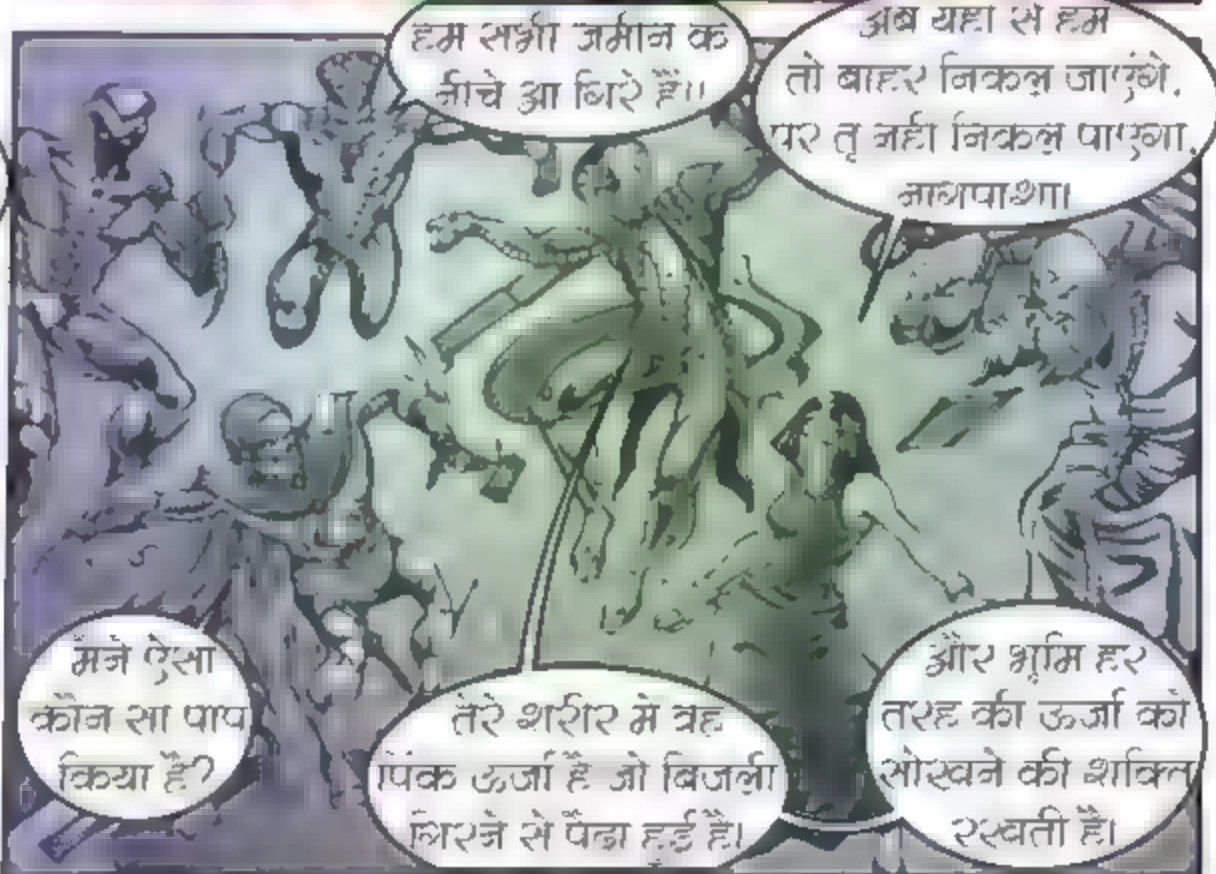
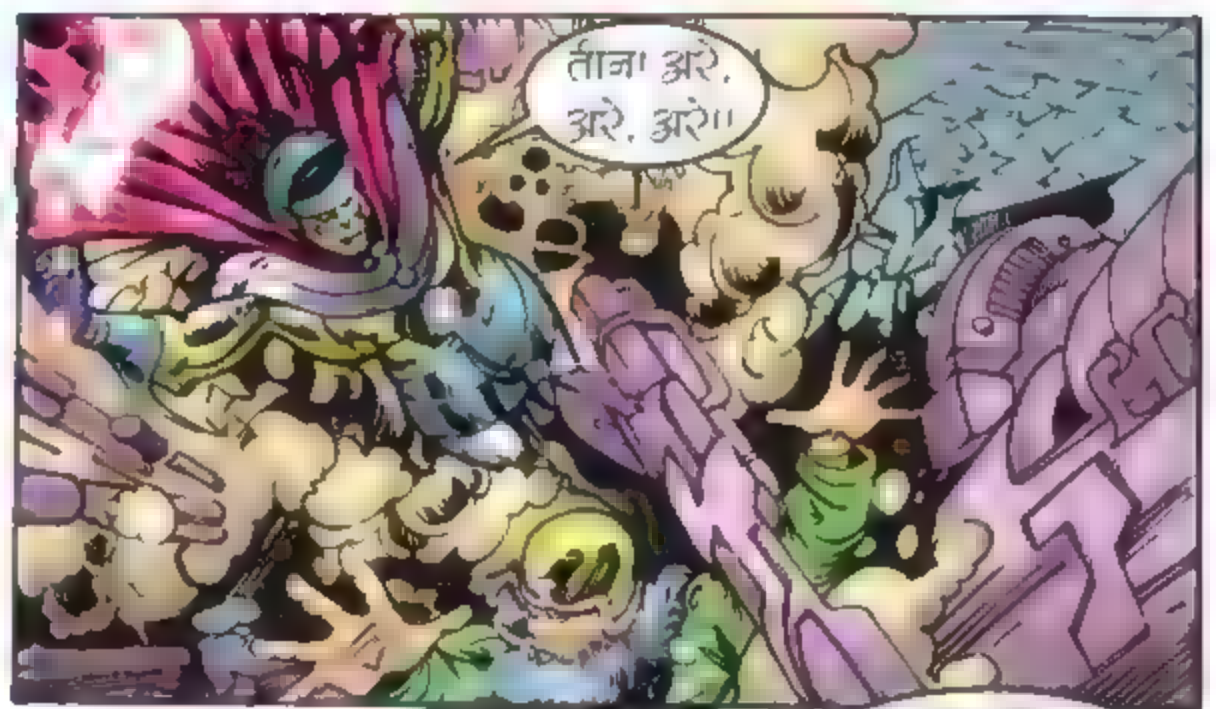


इससे ये ऊर्जा वापस लेनी बहुत जरूरी है, धारा! वरना हम अपने भूतकाल को खुद ही तबाह कर लेंगे। और न जान इसका हमारे समय काल पर क्या असर पड़ेगा।

मेरे अनुमान से तो वह समय काल कभी आएगा ही नहीं।

और ऐसा होन से सिर्फ तू ही इसको रोक सकते हो। इसके भूतकाल में जाकर इसको ये ऊर्जा हासिल करने से ही रोक दो।

मैं ऐसा नहीं कर सकता। उस भूतकाल का प्रयोग मैं कर चुका हूँ। उस समय में वापस जाने की चेष्टा की तो मैं फिर से तक्षक जगह ही पहुंचंगा।

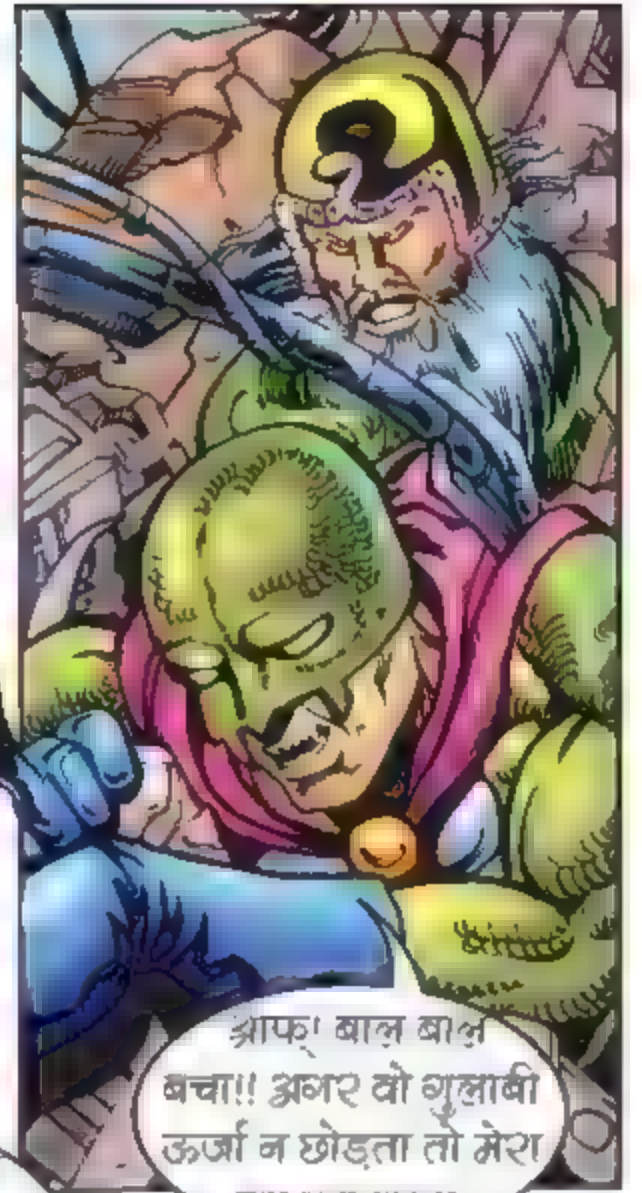




अब जब तक तू एनर्जी को नहीं छोड़ेगा, तब तक धरती तुझे नीचे स्वीचती रहेगी क्योंकि यह ऊर्जा तेरे शरीर के अंदर है।



य..सच है। इससे पहले कि ये मिट्टी मेरा दम घोट दे इसको त्याग देने में ही मेरी शलाई है।



आफ़! बालू बालू बचा!! अगर वो गुलाबी ऊर्जा न छोड़ता तो मेरा दम घट जाता।



तो क्या होता, मूर्खाधिपति? तू बार बार भूल क्यों जाना है कि तू अमर है।



तूने बना बनाया स्वेन बिगाड़ दिया। अब मैं सबसे पहले ऐसा जहर बनाऊंगा जो तूझे मार सके।



अब तुम दोनों मुझे धन्यवाद बाद में देना। पहले ये बनाओ. अरे! ये दोनों तो मलबे से बाहर आए ही नहीं। भगता है चले बाग।

आप नागराज की तरफ हो गए हैं, गरुदेव।

चप।

अमर को भी डर लगता है, गरुदेव! दम घुटता है तो..आऊSS भगता है।

कार्य पूरा होते ही समय धारा का प्रवाह भी अपना रुख बदल रहा था।



पर यहां पर एक अवरोध अभी अटका हुआ ही था।

बहुत हो गया, नागराज। तुझे मरने के लिए जितना बड़ा सफर तय किया है उतना तो मानव इतिहास में किसी ने नहीं किया होगा।



वैसे तो तुझे मार देना मुश्किल है। पर तू स्वाभाविक तौर पर इस युग का जरूर तुझे काल कराल नहीं है। ने अपनी शक्ति दी होगी! बस तुझे थोड़ा सा समय धारा में धक्का देना पड़ेगा।



आर तू वापस वहीं पहुंच जागूंगा जहां से तू आया है।



हाहाहाहा! अब इस दुनिया की पूरी एनर्जी मेरी मुट्ठी में है। और ये दुनिया भी।



आर तू मेरी मुट्ठी में। मैंने सुन ली है। तू हत्यारा भी आते आने...

...तेरी स्वीकारोक्ति है। और बह्द्वार भी।



धारवे के लिए तो मैं तुझे माफ कर दूंगा, क्योंकि वह व्यक्तिगत मामला है।

पर हत्या और बूट का जवाब तो तुझे देना ही होगा।

मुझे... माफ... कर. दो।

"वह तो भला हो नागराज का जिसको मैंने अंजाने में ही शिशु रूप में अपनी समय शक्ति दी थी"...

"...पर उस शक्ति ने काम नागराज के वर्तमान रूप पर किया और उसको यहां भविष्य में भेज दिया।"

"वर्ना मेरी आंखों पर तो तेरी मित्रता का पर्दा पड़ा ही रहता।"

पता नहीं! मैं कुछ ठीक से याद नहीं कर पा रहा हूं बस ऐसा लग रहा है जैसे कि मैं कोई अजीबो गरीब सपना देख रहा था। पर ये कौन सी जगह है। और ये ढांचा कैसे टूटा?

इसे ढांचा नहीं, गुरुदेव का सपना समझो या फिर नागपाशा का कांफीडेंस! पांच मिनट पहले तक ये जगह गुरुदेव की लेब और नागपाशा का अड्डा थी।

अरे! नागराज...तुम कहां से...?

और यहां पर काल कराल और धुरा भी थे। खैर! ये सब तो हम तुमको बताएंगे ही! पहले तुम याद करो कि तुम कहां गायब हो गए थे।

क्या?

हुम्म! याद तो आ रहा है।

यही कि मैं कुछ भूल रहा हूं।

मिस्र की दैवीय और अंधेरी दुनिया की ताकतों का सदियों पुराना नाता है हिन्दुस्तान की धरती से विनाश और विध्वंस का...

सदियों बाद फिर से मानव सृष्टि को चुनौती देने वापस आई ये ताकतें और टकरा गए इनसे गगन, विनाशदूत और नागराज जैसे दिग्गज, जब दोबारा खुला मानव सृष्टि के विनाश को गर्भ में छुपाये ...

मकबरा

नरक नाशक नागराज, गगन और विनाशदूत की मिस्र की दैवीय शक्तियों से अभूतपूर्व जंग का आगाज़...

www.downcomix.com



HEROES
UNION

Raj comics hai mera



www.downcomix.com